मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

# अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 37
अंक : 72
भोपाल, बुधवार
29 अप्रैल 2026
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com



03 छात्रवृत्ति 1550 से बढ़कर हुई 10 हजार प्रतिमाह

आईपीएल में आज होगा मुम्बई और हैदराबाद में मुकाबला 06

**सौजन्य भेंट**

**भोपाल।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बुधवार को केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री निवास पर सौजन्य भेंट की।

## बंगाल चुनाव में बंपर वोटिंग

# दोपहर एक बजे तक 61.11% हुई वोटिंग

### कुछ क्षेत्रों में ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं हुई

**बंगाल ■ एजेंसी**

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में 142 सीटों पर सुबह 7 बजे से वोटिंग बंपर वोटिंग हो रही है। चुनाव आयोग से मिली जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल में सेकेंड फेज की 142 सीटों पर वोटिंग हो रही है। दोपहर एक बजे तक 61.11% वोटिंग हो चुकी है। वोटिंग के दौरान कई विधानसभा क्षेत्रों से ईवीएम से छेड़छाड़, मारपीट, झड़प और नारेबाजी की घटनाएं हुई हैं।

बंगाल बंपर मतदान के बीच बवाल और आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला भी जारी है। साउथ 24 परगना जिले में बीजेपी उम्मीदवार विकास सरदार की कार पर हमला हुआ है। बसंती विधानसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार बिकाश सरदार ने आरोप लगाया कि उनकी कार पर टीएमसी कार्यकर्ताओं ने हमला किया है और उसके शीशे तोड़ दिए। वहीं बंगाल में दूसरे चरण की वोटिंग के दौरान हिंसा और बमबाजी रोकने के लिए ह्रद्ध की तैनाती गई है।

वहीं अब सीएम ममता बनर्जी के भतीजे और सांसद अभिषेक बनर्जी के गढ़ माने जाने वाले इलाके में तृणमूल कांग्रेस पर चुनाव में धांधली के आरोप लगा है। डायमंड हार्बर क्षेत्र के फलता में कई पोलिंग बूथों पर श्वङ्करू में बीजेपी के बटन पर टेप चिपका दिया गया है, ताकि लोग उन्हें वोट न दे सकें।

### ईवीएम में बीजेपी के बटन पर चिपकाया टेप ईसी बोला- हो सकता है दोबारा मतदान

### बीजेपी ने की दोबारा वोटिंग की मांग

बीजेपी के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने फाल्टा के उन सभी प्रभावित बूथों पर दोबारा मतदान की मांग की है, जहां इस तरह की कथित तौर पर चुनावी धांधली हुई है।

फाल्टा 144, पार्ट 170, रूम नंबर 2 - हरिणडांगा हाई स्कूल, बूथ 189 पर भी कई अन्य बूथों के साथ इसी तरह से हमला किया गया है।

---

**कथित शराब घोटाले में बढ़ा विवाद**

## दुर्गेश पाठक ने भी जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत का किया बहिष्कार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** आम आदमी पार्टी से जुड़े कथित शराब घोटाले मामले में पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की अदालत का बहिष्कार किए जाने के बाद अब अन्य आरोपी भी इसी रुख पर चलते दिख रहे हैं। पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के बाद अब आप नेता दुर्गेश पाठक ने भी जस्टिस शर्मा के खिलाफ तथाकथित 'लेटर नंबर-3' लिखते हुए उनकी अदालत में पेश न होने की बात कही है। दुर्गेश पाठक ने भी केजरीवाल और सिसोदिया की तरह अदालत पर सवाल उठाते हुए वहां न जाने का निर्णय जताया है। जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा, जो दिल्ली उच्च न्यायालय की जज हैं, इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की याचिका पर सुनवाई कर रही हैं। इससे पहले, फरवरी के अंत में ट्रायल कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया समेत सभी 23 आरोपियों को आरोपमुक्त कर दिया था। ट्रायल कोर्ट ने अपने फैसले में जांच एजेंसी की कार्यप्रणाली पर कड़ी टिप्पणी करते हुए जांच अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश भी दिए थे।

**उड़ता तीर**

## अंतर्मना उवाच

***जीवन में आपसी तालमेल कैसे बनाकर चलें-? इसके लिए एक सूत्र याद रखो - जहाँ तर्क है, वहाँ नर्क है और जहाँ समर्पण है, वहाँ स्वर्ग है..!***

परतापुर, जिला- बांसवाड़ा (राजस्थान) खुले आसमान में भरी दोपहर के 12:30 बजे, 45 डिग्री तापमान में, तपस्वी सम्राट, अंतर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागरजी महाराज सामायिक करते हुए। सूरज की तपिश से धरती तप रही है, पर उनकी साधना अडिग है। न छाँव, न आसन, केवल आत्म-लीनता। पसीने की बूंदें भी मानो तप का अभिषेक कर रही हो...

*श्रद्धा उत्सव है - समर्पण महोत्सव है। समर्पण से जीवन संवरता है।* ***समर्पण दुश्मनी को दोस्ती में बदल देता है और अहंकार में अपने भी पराये लगने लगते हैं।*** *इसलिए यदि तुम अपने घर को स्वर्ग बनाना चाहते हो, तो पति-पत्नी, बाप-बेटे, भाई-बहन, सास-बहू, जेठानी-देवरानी, सभी को आपस में कुछ न कुछ समझौता करना ही पड़ेगा।* ***जब एक आग बने, तो दूसरा पानी बन जाए, या कुछ समय के लिए स्थान छोड़ दे। यह जीवन के लिए अमृत वाक्य है।***

***ध्यान रखना..!*** *समय अच्छा होता है तो आपकी गलती भी मज़ाक लगती है, और जब समय खराब होता है तो मज़ाक भी गलती बन जाता है। इसलिए -*

***कुछ हँसकर बोल दो, कुछ मुस्कुराकर टाल दो। परेशानियाँ तो बहुत हैं इस जीवन में, कुछ ऊपरवाले पर, कुछ वक्त पर छोड़ दो...!!!***

■ **अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज**

---

## पीएम मोदी ने काशी विश्वनाथ के किये दर्शन

### हर-हर महादेव... लोकमंगल की कामना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय यूपी दौरे पर हैं। पीएम मोदी ने अपने एक्स हैंडल पर तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि हर हर महादेव ! काशी में बाबा विश्वनाथ मंदिर में दर्शन और पूजन का सौभाग्य मिला। यहां भगवान भोलेनाथ से समस्त देशवासियों के लिए सुख-समृद्धि और आरोग्यपूर्ण जीवन की कामना की। माँ अन्नपूर्णा एवं माँ गंगा के दर्शन से असीम शांति मिली। उनकी कृपा से हर किसी में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो ! काशी की जनता को पुन: नमन।

### *प्रधानमंत्री मोदी ने गंगा एक्सप्रेसवे का किया उद्घाटन*

# 'यूपी के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा...'

**वाराणसी ■ एजेंसी**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हरदोई में 594 किमी लंबे एक्सेस-कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड गंगा एक्सप्रेसवे का उद्घाटन किया। लगभग 36,230 करोड़ की कुल लागत से बने गंगा एक्सप्रेसवे से मेरठ और प्रयागराज के बीच यात्रा का समय अभी के 10-12 घंटे से घटकर लगभग 6 घंटे होने की उम्मीद है। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं मानता हूं कि उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस वे का ये वरदान ये भी मां गंगा का ही आशीर्वाद है। अब आप कुछ ही घंटों में संगम भी पहुंच सकते हैं, और काशी में बाबा के दर्शन करके भी वापस आ सकते हैं। गंगा एक्सप्रेस-वे न केवल यूपी के आर्थिक विकास का ग्रोथ इंजन बनेगा बल्कि यह यूपी की लाइफ लाइन भी बनेगा। गांव, किसान, उद्यम और युवाओं को जोड़ने वाली यह 'जीवन रेखा' अवसरों को दूरी से मुक्त करेगी और विकास को गति देगी।

पीएम मोदी ने इस दौरान जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि ये भी अद्भुत संयोग है कि पिछले चार-पांच दिनों में मैं मां गंगा के सानिध्य में रहा हूं। 24 अप्रैल को जब मैं बंगाल में था, तब मां गंगा के दर्शन किए और कल तो मैं काशी में था और आज सुबह ही फिर विश्वनाथ जी, मां अन्नपूर्णा और मां गंगा का दर्शन करने का सौभाग्य मिला था और अब मां गंगा के नाम से बने इस एक्सप्रेसवे का उद्घाटन करने का मौका मिला।

### गंगा हजारों वर्षों से यूपी की जीवन रेखा

इसमें हमारा विकास का विजन भी झलकता है और संस्कृति का दर्शन होता है। जैसे मां गंगा हजारों वर्षों से उत्तर प्रदेश और इस देश की जीवन रेखा रही है वैसे ही आधुनिक प्रगति के इस दौर में उनके समीप से गुजरता ये एक्सप्रेस वे क्क के विकास की नई लाइफलाइन बनेगा।

इसमें विकास का हमारा विजन भी झलकता है और हमारी विरासत के भी दर्शन होते हैं। मैं यूपी के करोड़ों लोगों को गंगा एक्सप्रेस-वे की बधाई देता हूं।

---

## ट्रंप: ईरान टूटने की स्थिति में नाकेबंदी हटाने को गिड़गिड़ाया

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान गंभीर पतन की स्थिति में है और उसने अमेरिका से अपने बंदरगाहों पर लगी रोक जल्द हटाने की मांग की है। दूसरी ओर, संयुक्त अरब अमीरात ने लगभग 60 साल बाद ओपेक छोड़ने का फैसला किया है, जो वैश्विक तेल बाजार के लिए बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

ईरान-अमेरिका युद्ध में अब मामला वार्ता पर आकर रुका हुआ है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर से कहा है कि ईरान टूटने की स्थिति में है और उसने वॉशिंगटन से अपने बंदरगाहों पर लगी नाकेबंदी जल्द हटाने की मांग की है। ट्रंप ने यह बात अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कही लेकिन इस पर कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि ईरान की नेतृत्व व्यवस्था में अंदरूनी मतभेद हैं और यह साफ नहीं है कि वहां असल में फैसला कौन ले रहा है।

### ईरान पर दबाव बना रहे हैं ट्रंप

विशेषज्ञों का मानना है कि यह बयान ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति का हिस्सा हो सकता है, ताकि उसे अमेरिका की शर्तों पर बातचीत के लिए तैयार किया जा सके। ट्रंप ने यह भी कहा कि ईरान लंबे समय से स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को खोलना चाहता है, लेकिन अमेरिका के लिए सबसे बड़ा मुद्दा अभी भी ईरान की परमाणु क्षमता है। सूत्रों के मुताबिक ईरान ने हाल ही में एक प्रस्ताव भेजा है, जिसमें पहले होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने और बाद में परमाणु मुद्दे पर बातचीत करने की बात कही गई है।

### इजरायल-लेबनान के बीच युद्धविराम के बाद भी लड़ाई

इधर, लेबनान के दक्षिणी हिस्से में हालात तनावपूर्ण बने हुए हैं। युद्धविराम के बावजूद इज़राइली सेना लगातार हवाई हमले कर रही है। कई हमले उस इलाके से भी आगे किए गए हैं, जिसे इजराइल येलो लाइन कहता है। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार एक हमले में पांच लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन सिविल डिफेंस के कर्मचारी थे। इस घटना में लेबनानी सेना के दो जवान भी घायल हुए हैं। लेबनान के प्रधानमंत्री ने इस हमले की निंदा करते हुए इसे युद्ध अपराध बताया है।

---

**दिल्ली हाई कोर्ट सख्त**

## सराय काले खां में ठेला लगाने पर रोक बरकरार, ट्रैफिक जाम पर जताई चिंता

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

दिल्ली में अतिक्रमण और ट्रैफिक जाम के मुद्दे पर दिल्ली हाई कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सराय काले खां, रिंग रोड पर ठेला लगाने की अनुमति मांगने वाले एक लाइसेंसधारी विक्रेता को अदालत से राहत नहीं मिली। याचिकाकर्ता ने अदालत में गुहार लगाई थी कि एमसीडी ने उसका ठेला हटा लिया है और उसका सामान वापस दिलाने के साथ ही दोबारा उसी स्थान पर ठेला लगाने की अनुमति दी जाए।

मामले की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट ने सराय काले खां स्थित रिंग रोड पर लगातार लगने वाले जाम को गंभीर समस्या बताया। अदालत ने कहा कि इस इलाके में लंबे समय से ट्रैफिक बाधित हो रहा है, जिसके पीछे अवैध रूप से खड़े वाहनों और बड़ी संख्या में मोबाइल विक्रेताओं की भी भूमिका है। कोर्ट ने साफ किया कि ऐसे हालात में वहां दोबारा ठेला लगाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। अदालत ने कहा कि इस इलाके में लगातार लगने वाला जाम गंभीर

## बड़े घरों की महिलाएं भी पीती हैं शराब, बच्चों को क्या हलवा संस्कार देंगी: शास्त्री

**भोपाल।** पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा, 'आजकल पुरुषों की तो छोड़ो, हमने तो सुना कि बड़े घरानों की माताएं भी पी (शराब) रही हैं. राम, राम, राम, राम, बजरंगबली बचाएं. हे माताओं जय हो तुम्हारी. जय हो. अब बताओ जब, माताएं ही विचित्र संस्कार वाली हो जाएंगी, तो बच्चों को क्या हलवा संस्कार देंगी.' मध्य प्रदेश के छतरपुर में स्थित बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री हमेशा अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं. एक बार फिर वह अपने बयान की वजह से विवादों में नजर आ रहे हैं. इस बार उन्होंने महिलाओं पर बयान दिया है. एक कथा के दौरान उन्होंने कहा कि बड़े घरों की महिलाएं भी शराब पीती हैं. जब वे खुद शराब पी रही हैं, तो वे बच्चों को क्या संस्कार देंगी. उनके बच्चे रोएंगे, तो वे बच्चों को भी शराब पिलाकर सुला देंगी.

**92 साल है उम्र**

## 76 साल बाद हाईस्कूल सर्टिफिकेट लेने पहुंचे सपा विधायक आलम बदी आजमी

**गोरखपुर ■ एजेंसी**

76 साल बाद विधायक सर्टिफिकेट लेने पहुंचे तो उनके सम्मान में कार्यक्रम को भव्यता दी गई। विधायक के हाथों ही टॉपरों को सम्मानित कराया गया। जनाब आलम बदी आजमी प्रदेश के वयोवृद्ध विधायकों में शुमार हैं

आजमगढ़ के निजामाबाद विधानसभा क्षेत्र से पांच बार के सपा विधायक जनाब आलम बदी आजमी 76 वर्ष के अंतराल के बाद हाईस्कूल का सर्टिफिकेट लेने गोरखपुर पहुंचे। उन्होंले बक्शीपुर के इस्लामिया इंटर कॉलेज से वर्ष

1950 में हाईस्कूल की परीक्षा उत्तीर्ण की थी। इस दौरान उन्होंने स्कूल के टॉपरों को सम्मानित भी किया। लंबे अंतराल के बाद कॉलेज पहुंचे विधायक, कॉलेज की बिल्डिंग की दीवारों और कक्षाओं को देखकर भावुक हो गए।

जनाब आलम बदी आजमी (92) प्रदेश के वयोवृद्ध विधायकों में शुमार हैं। वह पांच बार विधानसभा में पहुंच चुके हैं। स्कूटर से या पैदल चलने के चलते उनकी सादगी सुर्खियों में रहती है। विधायक के पिता वदीउज्जमा आजमी इस्लामिया कॉलेज में गेम टीचर थे। वह परिसर में ही रहते थे, लिहाजा विधायक की कक्षा चार से इंटरमीडिएट तक की शिक्षा इस्लामिया से हुई। इसके बाद उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई की। जनाब आलम बदी आजमी (92) प्रदेश के वयोवृद्ध विधायकों में शुमार हैं। वह पांच बार विधानसभा में पहुंच चुके हैं।

---

**दतिया की शून्य विधानसभा सीट -**

# *भारती को मिली नई तारीख, अब चुनाव आयोग पर नजर*

**भोपाल ■ जगत शर्मा**

*इसी महीने की 2 तारीख को दिल्ली की एमपी एमएलए कोर्ट ने दतिया के निवर्तमान विधायक राजेंद्र भारती को 25 साल पुराने बैंक धोखाधड़ी के एक मामले में दोषी मानते हुए तीन अलग-अलग धाराओं में तीन-तीन वर्ष और 2 वर्ष की सजा सुनाई। इसके बाद मध्य प्रदेश विधानसभा के महासचिव अरविंद शर्मा ने विधानसभा अध्यक्ष की अनुमति से उनकी विधायकी समाप्त कर दी। इसके बाद पूर्व विधायक राजेंद्र भारती इस मामले को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट पहुंचे जहां पर 15 अप्रैल को सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने अगली तारीख 28 अप्रैल निश्चित की थी। 28 अप्रैल को सुनवाई करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने सुनवाई की अगली की तारीख 29 जुलाई निश्चित की है।*

*हाईकोर्ट से नई तारीख मिलने के बाद अब यह कयास लगाए जा रहे हैं ,कि चुनाव आयोग स्वयं संज्ञान लेते हुए अब दतिया विधानसभा सीट पर उपचुनाव की घोषणा कर सकता है, क्योंकि अगली सुनवाई तक दतिया विधानसभा सीट बिना विधायक के लगभग 4 महीने तक खाली रहेगी। राजनीतिक जानकारों की माने तो अब चुनाव आयोग को ही उपचुनाव को लेकर फैसला करना है।*

### *दिल्ली हाईकोर्ट से राजेंद्र भारती को नहीं मिली राहत*

*पूर्व विधायक राजेंद्र भारती अपने मामले को मध्य प्रदेश के एमपी एमएलए कोर्ट से ट्रांसफर करा कर दिल्ली के एमपी एमएलए कोर्ट में ले गए थे, जहां पर उन्हें बैंक में धोखाधड़ी मामले में 3 साल की सजा हुई। इसके बाद उन्होंने सजा के विरोध में दिल्ली हाईकोर्ट में अपील की लेकिन लगातार दो सुनवाईयों में उन्हें कोई भी राहत हाई कोर्ट की तरफ से नहीं मिली है। जबकि संवैधानिक रूप से कोई विधानसभा सीट जब शून्य घोषित होती है, तो 6 माह के अंदर वहां पर विधायक का निर्वाचन आवश्यक है। इसलिए आज से देखा जाए तो अगली सुनवाई तक 4 महीने व्यतीत हो जाएंगे और चुनाव आयोग को वहां नए चुनाव कराने होंगे।*

### कांग्रेस और भाजपा दोनों चुनावी तैयारी में जुटी

वहीं अगर दतिया विधानसभा में चल रही राजनीतिक गतिविधियों की बात करें ,तो कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों ही चुनावी तैयारी में जुट गई है। जहां एक तरफ कांग्रेस की ओर से पूर्व विधायक घनश्याम सिंह वरिष्ठ नेता अवधेश नायक,कांग्रेस जिला अध्यक्ष अशोक दांगी बगदा और पूर्व विधायक राजेंद्र भारती के सुपुत्र अनुज भारती का नाम प्रत्याशियों की हैसियत से चर्चा में बना हुआ है, तो वहीं दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी की तरफ से पूर्व गृहमंत्री डॉ नरोत्तम मिश्रा भी लगातार और अधिक सक्रिय हो चुके हैं । डॉ नरोत्तम मिश्रा अब कार्यक्रमों के माध्यम से चुनावी तैयारी भी करने लगे हैं। अब देखना यह होगा कि चुनाव आयोग कब दतिया विधानसभा सीट पर चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करता है।

**दिग्विजय सिंह का भाजपा पर तीखा प्रहार**

## आप से भाजपा में गए सांसदों का होगा सत्यानाश

**सीहोर ■ अमृत दर्शन**

राज्यसभा सांसद और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने सीहोर प्रवास के दौरान भाजपा और पाला बदलने वाले नेताओं पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने विशेष रूप से आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए सांसदों को लेकर कड़ी टिप्पणी की।

दिग्विजय सिंह ने तीखे लहजे में कहा कि आम आदमी पार्टी के जो सांसद अपनी निष्ठा बदलकर भारतीय जनता पार्टी में गए हैं, उनका 'सत्यानाश' हो जाएगा। उन्होंने दलबदल की राजनीति को लेकर अपनी नाराजगी स्पष्ट रूप से जाहिर की। महिला आरक्षण बिल के मुद्दे पर दिग्विजय सिंह ने केंद्र सरकार की मंशा पर गंभीर सवाल उठाए। सिंह ने आरोप लगाया कि महिला आरक्षण को लेकर भाजपा की नीयत साफ नहीं है और इस मुद्दे पर लगातार 'झूठ' बोला जा रहा है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार वास्तव में गंभीर है, तो इसे भविष्य के बजाय तत्काल प्रभाव से लागू किया जाना चाहिए।

# नर्मदा जल परियोजना पर बिजली का बोझ होगा कम, जानें कैसे इंदौर नगर निगम बचाएगा हर माह करोड़

इंदौर ■ निसं

इंदौर में नर्मदा जल परियोजना की बढ़ती बिजली लागत को कम करने के लिए नगर निगम ने जलूद की बंजर जमीन पर सोलर प्लांट स्थापित किया है। 60 मेगावाट का सोलर प्लांट अब हर महीने करोड़ों रुपये की बचत करेगा और शहर की जल आपूर्ति को अधिक किफायती बनाएगा।

नर्मदा नदी का पानी लगभग 70 किलोमीटर दूर पहाड़ों को पार कर इंदौर तक पहुंचाने में इंदौर नगर निगम को हर महीने करीब 24 करोड़ रुपये बिजली पर खर्च करने पड़ते हैं। अब इस खर्च में हर माह करीब 5 करोड़ रुपये की बचत होने की उम्मीद है। नर्मदा किनारे स्थापित सोलर प्लांट खुद बड़ी मात्रा में रोजाना बिजली बनाएगा। इस प्लांट का लोकार्पण बुधवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे।

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि दो साल पहले नगर निगम ने 244 करोड़ रुपये का ग्रीन बॉन्ड जारी किया था। इसी राशि से इस सोलर प्लांट का निर्माण किया गया है। यह देश के किसी भी शहरी निकाय द्वारा लगाए गए बड़े सोलर प्रोजेक्ट्स में शामिल है।यह सोलर प्लांट 210 एकड़ जमीन पर बनाया गया है, जिसमें ज्यादातर बंजर भूमि का उपयोग किया गया है। प्लांट की क्षमता 60 मेगावाट है और इसके लिए 132 केवी का सब-स्टेशन भी तैयार किया गया है। इससे हर साल करीब 9.6 करोड़ यूनिट बिजली का उत्पादन होगा।इस प्लांट से बनने वाली बिजली का इस्तेमाल नर्मदा का पानी इंदौर तक लाने में किया जाएगा। इससे बिजली खर्च में बड़ी कमी आएगी और नगर निगम को आर्थिक राहत मिलेगी।यह सोलर प्लांट 25 साल के लिए डिजाइन किया गया है। अनुमान है कि इसकी लागत 5 से 7 साल में ही पूरी तरह वसूल हो जाएगी। प्लांट का निर्माण करीब तीन महीने पहले ही पूरा हो चुका था।हाल ही में भोपाल में मेयर ने मुख्यमंत्री से मुलाकात कर प्लांट के लोकार्पण के लिए समय मांगा था। अब बुधवार को इसका उद्घाटन होगा और अगले महीने से बिजली उत्पादन शुरू हो जाएगा। नगर निगम ने नर्मदा परियोजना के चौथे चरण पर भी काम शुरू कर दिया है। इससे आने वाले तीन साल में शहर को अतिरिक्त पानी की आपूर्ति मिलने लगेगी।

# पत्रकारिता विश्वविद्यालय खंडवा परिसर पर संकट, खंडवा विधायक ने सीएम को दिया पत्र

खंडवा ■ निसं

जिले में स्थित माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के खंडवा परिसर 'कर्मवीर विद्यापीठ' को लेकर एक बार फिर चिंता गहराती नजर आ रही है। परिसर की मौजूदा स्थिति और संभावित बंद होने की आशंका के बीच खंडवा विधायक कंचन तनवे ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

समाजसेवी व प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि विधायक द्वारा दिए गए पत्र में बताया गया है कि विश्वविद्यालय द्वारा सत्र 2026-27 के लिए जारी विज्ञापन में खंडवा परिसर को शामिल नहीं किया गया है, जिससे यहां प्रवेश प्रक्रिया ठप हो गई है। यह स्थिति न केवल क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए चिंता का विषय है, बल्कि पंडित माखनलाल चतुर्वेदी की कर्मभूमि खंडवा के शैक्षणिक महत्व पर भी प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि परिसर में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं का अभाव बना हुआ है।

नियमित पाठ्यक्रमों (UG/PG) में प्रवेश बंद हैं और केवल सीमित स्तर पर डिप्लोमा कोर्स संचालित किए जा रहे हैं। भवन, लेब, स्टूडियो और फैकल्टी जैसी मूलभूत व्यवस्थाएं भी पर्याप्त नहीं हैं। विधायक कंचन तनवे ने पूर्व में की गई घोषणाओं का हवाला देते हुए कहा कि खंडवा परिसर के लिए भूमि आवंटन और भवन निर्माण की प्रक्रिया अब तक कागजों तक सीमित है। 5 एकड़ भूमि मिलने के बावजूद निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पाया है।

उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि खंडवा परिसर में पुनः प्रवेश प्रक्रिया शुरू कराई जाए, स्थायी भवन निर्माण के लिए भूमि का चयनकर राशि स्वीकृत की जाए और क्षेत्रीय युवाओं के लिए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएं। प्रवक्ता सुनील जैन ने बताया कि गौरतलब है कि निमाड़ अंचल के कई विद्यार्थी इस परिसर पर निर्भर हैं। ऐसे में यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो क्षेत्र के छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए अन्य शहरों का रुख करना पड़ेगा।

### माधव नगर में हुआ स्वच्छता संवाद

# नगर निगम के साथ मिलकर शहरवासी जगाएंगे स्वच्छता की अलख

ग्वालियर ■ निसं

नगर निगम द्वारा स्वच्छ सर्वेक्षण 2025.26 के तहत किए जा रहे स्वच्छता संवाद का आयोजन माधवनगर में किया गया। इस अवसर पर आमजनों ने शपथ ली कि वह नगर निगम के साथ कंधे से कंधा मिलाकर शहर को साफ स्वच्छ बनाने में अपनी सहभागिता करेंगे। इस अवसर पर पूर्व सांसद, पूर्व महापौर विवेक नारायण शेजवलकर स्थानीय पार्षद श्रीमती अपर्णा पाटिल, नगर निगम के अपर आयुक्त टी प्रतीक राव, आईईसी टीम एवं स्थानीय नागरिक बडी संख्या में उपस्थित रहे।

स्वच्छता संवाद को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद, पूर्व महापौर श्री विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि शहर को स्वच्छ रखना हम सभी की जिम्मेदारी है, अगर हम सोचे कि नगर निगम अकेले यह कार्य कर सकती है तो यह संभव नहीं है। हम सभी को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि अपने घर से कचरा अलग-अलग कर कचरा गाडी में ही डालें।

# लू के थपेड़ों के बीच देसी जुगाड़ बारात में बैंड बाजे के साथ दौड़ा कूलर!

देवास ■ निसं

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी का कहर जारी है। प्रदेश का तापमान 45 डिग्री तक पहुंच चुका है। जिससे लोगों का हाल बेहाल है। इस बीच एक ऐसी तस्वीर सामने आई है। जिसमें सभी को दंग कर दिया है। दरअसल, बारातियों ने गर्मी को देखते हुए ऐसा जुगाड़ निकाला, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।

तेज गर्मी का असर अब शादियों पर भी साफ दिखाई देने लगा है। बढ़ते तापमान के बीच एक अनोखी बारात चर्चा का विषय बन गई, जहां बैंड-बाजे के साथ च्चलित कूलरज्ज् भी नजर आए। बारात में शामिल लोगों ने गर्मी से राहत पाने के लिए देसी जुगाड़ अपनाया और कूलर को साथ लेकर चल पड़े।

इस अनोखे नजारे ने सभी का ध्यान खींच लिया और लोग इसे कैमरे में कैद करने लगे। हालांकि भीषण गर्मी के बावजूद बारातियों का उत्साह कम नहीं हुआ और डीजे-बैंड की धुन पर जमकर नाचते नजर आए। यह नजारा अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आपको बता दें कि मध्य प्रदेश समेत देशभर में प्रचंड गर्मी का दौर जारी है। एमपी में खजुराहो गर्म शहर का हॉट स्पॉट बना हुआ है। बीते मंगलवार को यहां पारा 44.8 डिग्री रहा दर्ज किया गया। वहीं कई शहरों का तापमान 43 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया।

सीधी में 44.6 डिग्री, श्योपुर में पारा 44 डिग्री रहा। 43.8 डिग्री, भोपाल में 43.6 डिग्री, उमरिया में 43.5 डिग्री, खंडवा में 43.4 डिग्री, मुरैना में 43.3 डिग्री, मंडला में 43.2 डिग्री, दमोह-रतलाम में 43 डिग्री, जबलपुर में 42.7 डिग्री, इंदौर में 42.2 डिग्री, उज्जैन-ग्वालियर में 41 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

# खंडवा में रेलवे कोर्ट का बड़ा फैसला ट्रैकमैन को 6 साल की सुनाई सजा

खंडवा ■ निसं

मध्य प्रदेश के खंडवा में सेना की विशेष ट्रेन को डेटोनेटर लगाकर रोकने के सनसनीखेज मामले में रेलवे कोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है। आरोपी रेलवे कर्मचारी (ट्रैकमेन) साबिर उर्फ शब्बीर को दोषी करार दिया है। कोर्ट ने साबिर को 6 साल के सश्रम कारावास और 5 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। आइए जानते है आखिर पूरा मामला क्या है।

रेलवे पुलिस के मुताबिक, यह पूरी घटना 18 सितंबर 2024 की है। जम्मू-कश्मीर से कर्नाटक जा रही सेना की विशेष ट्रेन को डोंगरगांव और सागफाटा स्टेशनों के बीच रेलवे ट्रैक पर लगे डेटोनेटर फटने के कारण रोकना पड़ा था। घटना के बाद रेलवे टीआई संजीव कुमार समेत अन्य अधिकारियों ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर को जांच शुरू की थी। जांच के दौरान घटनास्थल से डेटोनेटर के अवशेष बरामद किए गए।

आरपीएफ की टीम औरं श्वान दस्ते के कुत्ते जेम्स की मदद से करीब 8 किलोमीटर तक सर्चिंग की गई थी। जिससे रेलवे कर्मचारी साबिर की पहचान हुई। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए आईबी, एनआईए व एटीएस जैसी एजेंसियां भी जांच में शामिल रही थी। पर्याप्त साक्ष्य मिलने पर मामला रेलवे कोर्ट में पेश किया गया। जहां सुनवाई के बाद आरोपी को दोषी मानते हुए सजा सुनाई गई।

### सागर के मोतीनगर में लकड़ी के टाल में आग

# फायर ब्रिगेड ने एक घंटे में पाया काबू, धुआं उठते देख हड़कंप मचा

सागर ■ निसं

सागर के मोतीनगर इलाके में थाने के पास बने लकड़ी के टाल में सोमवार देर रात आग लग गई। आग की लपटें और धुआं उठते देख हड़कंप मच गया। आसपास के लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और प्रशासन को सूचना दी गई। सूचना पर निगम की फायर फाइटर गाड़ी मौके पर पहुंची और आग बुझाने की मशक्कत शुरू की। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

आग में टाल में रखी लकड़ी जली है। गनीमत रही थी आग पर समय रहते काबू पा लिया गया, वरना बड़ा नुकसान हो सकता था। क्योंकि टाल के आसपास रहवासी इलाका लगा हुआ है। घटना की सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है।

मुकुल पुरोहित ने बताया कि हमारे किराएदार सतनाम सिंह के टाल में आग लगी थी। सूचना पर तत्काल पुलिस को जानकारी दी। आग बुझा ली गई है। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है।

### छत पर सो रहा था परिवार, भटोली कुमेरिया गांव की घटना

# सागर में मकान की छत गिरी, बेटे की मौत, पिता घायल

सागर ■ निसं

सागर के गढ़ाकोटा थाना क्षेत्र के ग्राम भटोली कुमेरिया में मकान की छत गिर गई। घटना में मलबे की चपेट में आने से बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायल को अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पर पुलिस ने मामला जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार, ग्राम भटोली कुमेरिया में मंगलवार सुबह गोविंद लड़िया के मकान की छत गिर गई। घटना के समय छत पर गोविंद लड़िया और उनका 14 वर्षीय बेटा केशव लड़िया सो रहे थे। तभी अचानक छत भरभराकर गिर गई।

**बेटे की मौत, पिता गंभीर रूप से घायल:** घटना में केशव के सिर में गंभीर चोट आने से उसकी मौत हो गई, जबकि गोविंद लड़िया गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा गया, जिसके बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

**बारिश से कमजोर हुई थी छत:** ग्रामीणों के अनुसार, एक दिन पहले हुई बारिश के कारण मकान की छत में पानी भर गया था, जिससे उसकी सीलिंग कमजोर हो गई थी। सुबह यह हादसा हो गया। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है।

गढ़ाकोटा थाना प्रभारी शिवम दुबे ने बताया कि मकान की छत गिरने से नाबालिग की मौत हुई है। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है। प्रशासन ने भी घटनास्थल का पंचनामा तैयार किया है।

### इंदौर में पार्षद कालरा के खिलाफ जनसुनवाई में पहुंचे लोग

# अवैध वसूली का आरोप, 10 हजार दो नहीं तो दुकान टूटेगी

## आजाद नगर में गंदे पानी पर फूटा गुस्सा

इंदौर ■ निसं

इंदौर में नगर निगम की जनसुनवाई में मंगलवार को कुछ लोग पार्षद कमलेश कालरा की शिकायत लेकर पहुंच गए। उन्होंने पार्षद पर अ?वैध वसूली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि उनसे 10 हजार रुपए की मांग की गई है। नहीं देने पर दुकान तोड़ने की बात कही थी। वे डिमांड पूरी नहीं कर पाए तो दुकानों को तोड़ दिया गया। पार्षद कमलेश कालरा की दुकानों को लेकर की गई बातचीत की ऑडियो रिकॉर्डिंग भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। जिसमें वे दुकानों को लेकर बातचीत कर रहे थे।

**10 हजार की डिमांड का आरोप:** शिकायतकर्ता विजय चौहान ने बताया कि हमारी 30-35 साल पुरानी दुकानें खातीवाला टैंक में महाकाल चौराहे के पास थी। पार्षद ने हमें अ?वैध वसूली के लिए धमकाया कि दस हजार रुपए महीना हमें दो, नहीं तो दुकान तोड़ दी जाएगी। नगर निगम की पीली गाड़ी भी आकर कहती थी, पार्षद से बात कर लो, नहीं तो दुकान तोड़ देंगे। विजय ने आरोप लगाते हुए कहा कि हमने जब पार्षद से बात की और बताया कि हम गरीब व्यक्ति है इतना पैसा कहां से देंगे। हम पैसे नहीं दे पाए तो हमारे दुकानों को तुड़वा दिया गया। अधिकारियों ने जांच का आश्वासन दिया है। सांची पाइंट, प्रेस की दुकान, चाय की दुकान, कपड़ों पर रंग करने सहित ऐसी सात दुकानें यहां पर थी।

**दो महीने पहले ही हुई पति की मौत, कहां से दूं पैसा:** चाय की दुकान संचालित करने वाली अनिता बाई ने बताया कि हमें दुकान तोड़ने की धमकी दी। नगर निगम की पीली गाड़ियां आती थी। बोले पार्षद से बात कर लो। दस हजार देने का बोला था, नहीं दे पाए तो दुकान तोड़ दी। मेरे पति की मौत को दो महीने भी पूरे नहीं हुए और मुझसे दस हजार रुपयों की डिमांड की जा रही थी। मैं कहां से देती। मैं परिवार चलाऊं या उन्हें पैसा दूं। दीप पैलेस कॉलोनी के कुछ रहवासी शिकायत लेकर पहुंचे।

### गुणवत्ता, सुरक्षा एवं निर्माण कार्य में लापरवाही पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

# अमृत 2.0 सीवरेज प्रोजेक्ट के तहत महापौर ने किया फील्ड निरीक्षण

खंडवा ■ निसं

आज महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव के नेतृत्व में अमृत 2.0 सीवरेज प्रोजेक्ट के अंतर्गत शहर में चल रहे सीवरेज कार्यों की प्रगति का फील्ड निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान निगम अध्यक्ष श्री अनिल विश्वकर्मा, एमआईसी सदस्य श्री सोमनाथ काले, श्री राजेश यादव, श्री विक्की भांवरे, पार्षद श्री अरुण यादव, श्रीमती सीमा यादव, श्रीमती सुवर्णा पालीवाल, श्रीमती रानी वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

**जिला क्रमांक 2 के विभिन्न वार्डों में कार्य प्रगति का जायजा:** निरीक्षण के दौरान डिस्ट्रिक्ट क्रमांक 2 अंतर्गत वार्ड क्रमांक 36, 35, 50 एवं 48 में संचालित कार्यों का अवलोकन किया गया। विशेष रूप से वार्ड क्रमांक 50 में सीवरेज पाइपलाइन डालने हेतु किए जा रहे उत्खनन कार्य का निरीक्षण किया गया।

**252 किलोमीटर सीवरेज लाइन बिछाने का लक्ष्य:** महापौर ने बताया कि संपूर्ण खंडवा नगरीय क्षेत्र में लगभग 252 किलोमीटर लंबी सीवरेज लाइन डाली जानी है। वर्तमान में लगभग 15 किलोमीटर लाइन डाली जा चुकी है तथा करीब 8 प्रतिशत कार्य पूर्ण हो चुका है। परियोजना की कुल कार्यावधि 2 वर्ष निर्धारित है।

**गुणवत्ता से समझौता नहीं, क्रैक पाइप पाए जाने पर होगी पुनः खुदाई:** महापौर श्रीमती अमृता अमर यादव ने स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी परिस्थिति में क्षतिग्रस्त या क्रैक पाइपलाइन नहीं डाली जाए। यदि इस प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होती है तो संबंधित स्थल पर पुनः खुदाई करवाकर पाइपलाइन बदली जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्य में गुणवत्ता, सार्वजनिक सुरक्षा एवं तकनीकी मानकों का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए।

**सीसी रोड की सुरक्षा के लिए तकनीकी सावधानी बरतने के निर्देश:** निरीक्षण के दौरान यह भी निर्देशित किया गया कि जहां सीसी रोड पर क्रॉस कटिंग की जा रही है, वहां पर्याप्त गहराई एवं तकनीकी सावधानी के साथ खुदाई कार्य किया जाए, ताकि पाइपलाइन क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य हिस्सों में सीसी सड़क पर किसी प्रकार की दरार या क्षति उत्पन्न न हो।महापौर ने अधिकारियों एवं कार्यदायी एजेंसी को निर्देशित किया कि परियोजना का कार्य निर्धारित समयसीमा में पूर्ण किया जाए तथा आमजन को न्यूनतम असुविधा हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए।

### महिला बाल विकास विभागों के नवाचारों की सराहना

# केन्द्रीय अतिरिक्त सचिव केरोलिन खोंगवार ने की समीक्षा, किया आंगनवाड़ी, वन स्टाप सेंटर का दौरा

भोपाल ■ अमृत दर्शन

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास की अतिरिक्त सचिव श्रीमती कैरोलिन खोंगवार देशमुख ने कहा कि सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ-साथ लाभार्थियों तक सेवाओं की प्रभावी पहुँच सुनिश्चित करना प्रशासनिक तंत्र की पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। मंगलवार को भोपाल प्रवास के दौरान उन्होंने यह बात महिला एवं बाल विकास संचालनालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में कही, जहाँ उन्होंने केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं पोषण 2.0, मिशन शक्ति और मिशन वात्सल्य की प्रगति का विश्लेषण किया। श्रीमती खोंगवार ने विभागीय नवाचारों की

सराहना करते हुए निर्देश दिए कि सेवाओं के वितरण में पारदर्शिता और गतिशीलता को और अधिक सुदृढ़ किया जाए।

श्रीमती देशमुख ने मैदानी स्तर पर व्यवस्थाओं को परखने के लिए भोपाल जिले के विभिन्न केंद्रों का सघन निरीक्षण किया। उन्होंने ईंटखेड़ी परियोजना के जेपी नगर स्थित आंगनवाड़ी केंद्र का अवलोकन किया, जहाँ बच्चों के साथ सीधा संवाद कर उनकी शिक्षा और पोषण के स्तर को समझा। इस दौरान आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शगुफ्ता खान ने उन्हें अर्ली चाइल्डहुड केयर एंड एजुकेशन (ECCE) के अंतर्गत किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से उल्लेख किया कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन और स्क्र्न्न फाउंडेशन के सहयोग से तैयार किए गए शिक्षण अधिगम सामग्री (TLM) के उपयोग से बच्चों के सर्वांगीण विकास में सकारात्मक परिवर्तन आए हैं और केंद्र में बच्चों की उपस्थिति में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है।

निरीक्षण के दौरान श्रीमती देशमुख ने आंगनवाड़ी केंद्र में आयोजित बाल चौपाल में हिस्सा लेकर पाँच बच्चों का जन्मदिवस मनाया और उन्हें उपहार वितरित किए। केंद्र में स्थापित उदिता कॉर्नर और न्यूट्री कॉर्नर के साथ-साथ उन्होंने वहां विकसित की गई पोषण वाटिका की भी प्रशंसा की, जहाँ सहजन, टमाटर, बैंगन और लौकी जैसी सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, लाडली लक्ष्मी योजना और पोषण ट्रैकर ऐप के प्रभावी उपयोग पर कार्यकर्ताओं से चर्चा की और उनके समर्पण भाव की सराहना की।

### लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की हुई वृहद समीक्षा

## स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने भर्ती प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समय पर करें पूर्णः उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के विभिन्न विषयों की विस्तृत समीक्षा की। समीक्षा बैठक में विभागीय योजनाओं की प्रगति, लंबित प्रस्तावों एवं आवश्यक प्रशासनिक कार्यवाहियों की प्रगति की समीक्षा कर समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के लिए भर्ती प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के साथ समय पर पूर्ण किया जाए, जिससे आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएँ उपलब्ध हो सकें।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बुधनी, दमोह एवं छतरपुर मेडिकल कॉलेजों में टीचर्स के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया को गति देने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य संस्थाओं में लंबित आउटसोर्स पदों पर भर्ती के लिए सभी जिलों में आवश्यक कार्यवाही करने के लिए कहा। उन्होंने नर्सिंग कॉलेजों में नर्सिंग शिक्षकों के 59 राजपत्रित पदों पर भर्ती के लिए मांग पत्र लोक सेवा आयोग को शीघ्र प्रेषित करने के निर्देश भी दिए गए।

जिला चिकित्सालय राजगढ़ में रैन बसेरे के संचालन को सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्वालियर मेडिकल कॉलेज में ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन विभाग की स्वीकृति की प्रक्रिया को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

## संक्षिप्त समाचार

### मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी की अनूठी पहल

**भोपाल।** मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा कंपनी कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर एवं चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के उच्चदाब उपभोक्ताओं को बड़ी राहत देते हुए सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और डिजिटल बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। कंपनी ने अब उच्चदाब नवीन संयोजन के प्रकरणों में अनुबंध निष्पादन के लिए अपने पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ई-स्टाम्प प्रक्रिया लागू कर दी है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक ऋषि गर्ग ने कहा है कि कंपनी द्वारा शुरू की गई इस नई व्यवस्था के तहत, कंपनी के एचटी संयोजन पोर्टल को सीधे पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग (IGRS) के संपदा 2.0 पोर्टल के साथ एकीकृत किया गया है। कंपनी ने पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग (IGRS) से विधिवत लाइसेंस प्राप्त कर यह सुविधा शुरू की है, जिससे ई-स्टाम्प जनरेशन और ई-हस्ताक्षर (E-Sign) की पूरी प्रक्रिया अब ऑनलाइन और सुलभ हो गई है।

### चीतों का नया घर ही नहीं, अब सफल ग्लोबल ब्रीडिंग सेंटर

**भोपाल।** मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब चीतों का केवल आश्रय स्थल नहीं रहा, बल्कि एक सफल चीता प्रजनन केन्द्र के रूप में दुनिया भर में अलग पहचान बना चुका है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते यहां की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र में पूरी तरह से रच बस गये हैं। कूनो की धरती अब आये दिन नन्हे शावकों की किलकारियों से गूंज रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का लुप्त हो चुके चीतों के देश में फिर से बसाने का सपना 'प्रोजेक्ट चीता' मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में केन्द्र-राज्य के विभागों के समन्वय और प्रबंधन से वन्य-जीव संरक्षण के क्षेत्र में नये इतिहास लिखे जाने के साथ साकार हो रहा है। प्रोजेक्ट चीता का प्रारंभिक चरण शुरुआती चुनौतियों से भरा हुआ था, लेकिन कूनो की आबोहवा और विभाग के विशेषज्ञों के कुशल प्रबंधन ने सभी चुनौतियों से पार पाते हुए वन्य-जीव संरक्षण की इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लुप्त प्रजाति की पुनर्स्थापना का सफलतम पर्याय बना दिया है। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां और पर्याप्त शिकार चीतों के प्रजनन के लिए बेहद अनुकूल सिद्ध हुए हैं।

### समग्र अग्रवाल समाज ने की समाजसेवा की एक सराहनीय पहल

**भोपाल।** शहर में बढ़ती गर्मी और जल संकट की चुनौती के बीच समग्र अग्रवाल समाज, भोपाल ने समाजसेवा की एक सराहनीय पहल की है। समग्र अग्रवाल समाज, भोपाल (म.प्र.) द्वारा 'शीतल जल अभियान' के अंतर्गत शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर वॉटर कूलर एवं आरओ स्थापित करने का शुभारंभ किया जा रहा है। इस पुनीत कार्य का श्रीगणेश 29 अप्रैल, 2026 को सायं 5 बजे खेड़ापति हनुमान मंदिर, न्यू मार्केट, भोपाल से होगा। यह अभियान न केवल राहगीरों, श्रमिकों एवं आम नागरिकों को भीषण गर्मी में शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का माध्यम बनेगा, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को भी सुदृढ़ करेगा। कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि शहर के व्यस्त एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में किसी भी व्यक्ति को प्यास से व्याकुल न होना पड़े। कार्यक्रम में समाज के गणमान्य सदस्य, जनप्रतिनिधि एवं शहर के विभिन्न वर्गों के लोग उपस्थित रहेंगे।

### मंत्रि-परिषद की बैठक में विकास योजनाओं के लिये 26 हजार 800 करोड़ रूपये की स्वीकृति

# छात्रवृत्ति 1550 से बढ़कर हुई 10 हजार प्रतिमाह, अब प्रतिवर्ष 100 नए विद्यार्थी होंगे लाभांवित

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक मंगलवार को मंत्रालय में सम्पन्न हुई। मंत्रि-परिषद द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास और जन-कल्याण के लिए 26 हजार 800 करोड़ रुपये से अधिक की महत्वपूर्ण विकास योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई। प्रदेश के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए लोक निर्माण विभाग की आगामी 5 वर्षों (2026-2031) की विभिन्न निर्माण व नवीनीकरण परियोजनाओं के लिए 26,311 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है।

सामाजिक न्याय और शिक्षा को प्राथमिकता देते हुए मंत्रि-परिषद ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिये छात्रवृत्ति राशि में ऐतिहासिक वृद्धि कर इसे 1,550 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये प्रतिमाह करने का निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त, ग्रामीण सिंचाई व्यवस्था के लिए लखुंदर सूक्ष्म सिंचाई परियोजना और प्रदेश की 38,901 आंगनवाड़ियों के विद्युतीकरण के लिए महत्वपूर्ण वित्तीय प्रावधान किए गए हैं। चिकित्सा क्षेत्र में विस्तार के लिए भोपाल और रीवा के चिकित्सा महाविद्यालयों के लिए पुनरीक्षित प्रशासनिक स्वीकृतियां भी दी गई, जो प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं और अधोसंरचना को भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप नई ऊंचाई प्रदान करेंगी। मंत्रि-परिषद की बैठक वन्दे मातरम गान से प्रारंभ हुई।

#### लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना के लिए 155 करोड़ 82 लाख रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा शाजापुर जिले की लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना लागत राशि 155 करोड़ 82 लाख रूपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। लखुंदर उच्च दाबयुक्त सूक्ष्म सिंचाई परियोजना से शाजापुर जिले की शाजापुर तहसील के 17 एवं उज्जैन जिले की तराना तहसील के 7 ग्राम इस तरह कुल 24 ग्रामों के लिए 9 हजार 200 हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। परियोजना अंतर्गत लखुंदर नदी पर शाजापुर जिले में मक्सी के समीप पूर्व से ही निर्मित जलाशय से 24.37 मीट्रिक घन. मीटर जल का उद्वहन कर सिंचाई सुविधा उपलब्ध करायी जाएगी।

लोक निर्माण विभाग के निर्माण और विभिन्न विकास कार्यों के लिए 26 हजार 311 करोड़ रूपये की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा लोक निर्माण विभाग के अंतर्गत मार्गों के नवीनीकरण, कार्यालयों की स्थापना और मरम्मत, आवासों के अनुरक्षण सहित भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी विभिन्न योजनाओं की सोलहवें वित्त आयोग की अवधि 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक की निरन्तरता के लिए लगभग 26 हजार 311 करोड़ रूपये की स्वीकृति दी गई है।

स्वीकृति अनुसार मुख्यालय कार्यालय स्थापना, मण्डल कार्यालय स्थापना, अनुरक्षण, मरम्मत-संधारण और संभागीय कार्यालय स्थापना संबंधी योजनाओं के लिए 6,180 करोड़ 57 लाख रूपये की स्वीकृति दी गई है।

इसके साथ ही केन्द्रीय सड़क अधोसंरचना निधि संबंधी योजनाओं के लिए 6 हजार 925 करोड़ रूपये, एफ-टाईप से उच्च श्रेणी के शासकीय आवास एवं गैर आवासीय भवनों का अनुरक्षण का कार्य संबंधी योजना के लिए 1 हजार 680 करोड़ रूपये और भू-अर्जन के लिए मुआवजा संबंधी योजना के लिए 6 हजार 500 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है।

## 7 मई को महाराष्ट्र बॉर्डर से राजस्थान बॉर्डर तक होगा महाचक्का जाम : जीतू

### मध्य प्रदेश के किसानों पर हो रहा अन्याय अब बर्दाश्त नहीं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

यदि किसानों के साथ हो रहे अन्याय को तत्काल बंद नहीं किया गया, तो 7 मई को महाराष्ट्र बॉर्डर से राजस्थान बॉर्डर तक आगरा-बॉम्बे राष्ट्रीय राजमार्ग पर कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ मिलकर महाचक्का जाम करेगी। यह बात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को बुधनी में आयोजित किसान आक्रोश सत्याग्रह में शामिल होकर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार पर किसानों के साथ अन्याय करने का आरोप लगातें हुए कही। उन्होंने कहा कि देश के कृषि मंत्री मध्य प्रदेश से आते हैं, लेकिन विडंबना यह है कि सबसे ज्यादा अत्याचार और अन्याय मध्य प्रदेश के किसानों पर ही हो रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में किसानों को खाद की किल्लत, समर्थन मूल्य पर खरीदी में अव्यवस्था, बारदाने की कमी, स्लॉट बुकिंग में गड़बड़ी और जमीनों पर भूमाफियाओं के कब्जे जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकार विज्ञापनों में किसान कल्याण वर्ष मना रही है, जबकि वास्तविकता यह है कि किसान कर्ज में डूबा हुआ है और अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

पटवारी ने कहा कि मोहन यादव सरकार ने गेहूं पर 2700 रुपये एमएसपी देने का वादा किया था, लेकिन किसानों से 1800 से 2200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीदी की जा रही है। यह किसानों के खून-पसीने की कमाई पर डाका है।

### 27 साल बाद ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या का महासंयोग

# 16 मई को बुधादित्य और गजछाया योग के साथ चतुष्पद करण की साक्षी रहेगी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

पंचांग की गणना के अनुसार 27 साल बाद ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या पर 16 मई को शनिश्चरी अमावस्या का महासंयोग बनने जा रहा है। इस दिन मोक्षदायिनी शिप्रा के त्रिवेणी संगम पर पर्व स्नान होगा। देशभर से हजारों भक्त उज्जैन पहुंचेंगे। शाम को शहर के शनि मंदिरों में भगवान का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। ज्येष्ठ अधिकमास में शनिश्चरी अमावस्या का ऐसा ही संयोग सन 1999 में बना था।

ज्योतिषाचार्य पं. अमर डब्बावाला ने बताया भारतीय ज्योतिष शास्त्र में न्याय के देवता माने जाने वाले शनिदेव का जन्म ज्येष्ठ मास के कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर

हुआ था। इस बार ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या 16 मई को शनिवार के दिन आ रही है। शनिवार के दिन अमावस्या होने से यह शनिश्चरी अमावस्या कहलाएगी।

**17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ अधिकमास रहेगा:** विशेष यह है कि 16 मई को ज्येष्ठ अधिकमास के प्रथम पखवाड़े का आखिरी दिन है। इसके बाद 17 मई से 15 जून तक ज्येष्ठ अधिकमास रहेगा। अधिकमास की शुरुआत शनिश्चरी अमावस्या महापर्व के साथ होने से यह धर्म, अध्यात्म, दान पुण्य की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इस दिन भरणी नक्षत्र, सौभाग्य योग तथा चतुष्पद करण की साक्षी रहेगी। साथ ही बुधादित्य व गजछाया योग जैसे विशिष्ट योगों का संयोग भी रहेगा। इस दिन शुक्र के स्वग्रही होने को भी विशेष माना जा रहा है।

**15 मई 1999 को आई थी शनिश्चिचरी अमावस्या:** मान्यता है ऐसे शुभ दिन तीर्थ स्नान व शनिदेव की आराधना करने से जन्म जन्मांतर के पापों का क्षय हो जाता है तथा शनिदेव की कृपा प्राप्त होती है।

### जनसुनवाई में 160 आवेदन प्राप्त हुए

# जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं

भोपाल ■ अमृत दर्शन

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 160 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर एडीएम सुमित पांडे, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर श्री मिश्रा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र

निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

### लाड़ली लक्ष्मी योजना में छात्राओं को मिलेंगे 25 हजार

# एमपी के कॉलेजों में 1 मई से एडमिशन; खाली सीटों के लिए मिलेगा CLC का विशेष मौका

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एमपी के सरकारी और निजी कॉलेजों में स्नातक (यूजी) और स्नातकोत्तर (पीजी) पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उच्च शिक्षा विभाग ने काउंसलिंग का शेड्यूल जारी कर दिया है। यूजी के लिए 1 मई और पीजी के लिए 2 मई से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू होगा। ये 30 जून तक चलेगा। रजिस्ट्रेशन के साथ दस्तावेज सत्यापन अनिवार्य रहेगा। इस बार विभाग ने दो मुख्य काउंसलिंग राउंड के साथ कॉलेज लेवल काउंसलिंग का एक अतिरिक्त राउंड भी जोड़ा है। कॉलेज में एडमिशन लेने वाली छात्राओं को लाड़ली लक्ष्मी योजना से 25000 रुपए की सहायता दी जाएगी।

**ऑनलाइन प्रक्रिया से होगा एडमिशन:** शेड्यूल के अनुसार, इस साल प्रवेश प्रक्रिया ऑनलाइन माध्यम से ही पूरी की जाएगी। छात्रों को तय तारीख के भीतर रजिस्ट्रेशन करना होगा और

अपने दस्तावेजों का सत्यापन भी कराना होगा। बिना सत्यापन के छात्रों की काउंसलिंग प्रक्रिया अधूरी मानी जाएगी और वे सीट आवंटन से वंचित रह सकते हैं।

**चॉइस फिलिंग से तय होगा कॉलेज:** एडमिशन प्रक्रिया के दौरान छात्रों को अपनी पसंद के कॉलेज और कोर्स का चयन करना होगा। इसी चॉइस फिलिंग के आधार पर मेरिट सूची तैयार की जाएगी और सीटों का आवंटन किया जाएगा। सीट मिलने के बाद छात्रों को तय समय सीमा में फीस जमा करनी होगी अन्यथा उनकी सीट स्वतः निरस्त हो जाएगी और वह अगली सूची में अन्य छात्रों को आवंटित कर दी जाएगी।

**दो मुख्य राउंड के साथ CLC का नया मौका:** इस बार प्रवेश प्रक्रिया में दो मुख्य काउंसलिंग राउंड के अलावा कॉलेज लेवल काउंसलिंग का एक अतिरिक्त राउंड भी रखा है। यह राउंड उन सीटों को भरने के लिए होगा, जो मुख्य काउंसलिंग के बाद खाली रह जाती हैं। इससे अधिक से अधिक छात्रों को प्रवेश का अवसर मिल सकेगा और कॉलेजों में सीटें खाली नहीं रहेंगी।

**12वीं के बाद सीधे करें 4 साल का ढ्ढञ्जश्वक्क कोर्स:** इस वर्ष एनसीटीई के तहत बीएड, बीपीएड और एमपीएड कोर्स के साथ एक नया चार वर्षीय कोर्स आईटीईपी भी शुरू किया गया है। इसकी खास बात यह है कि इसे 12वीं के बाद सीधे किया जा सकता है। इसे शिक्षक बनने की इच्छा रखने वाले छात्रों के लिए बेहतर विकल्प माना जा रहा है, क्योंकि इसमें शुरुआती स्तर से ही प्रशिक्षण दिया जाएगा।

**पहली किस्त फर्स्ट ईयर, दूसरी थर्ड में मिलेगी:** लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत छात्राओं को स्नातक और व्यावसायिक पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। यह राशि फर्स्ट ईयर और थर्ड ईयर में दो बराबर किस्तों में दी जाएगी। योजना का उद्देश्य प्रदेश में लिंगानुपात में सुधार करना, बालिकाओं के जन्म के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करना और उनकी शिक्षा व स्वास्थ्य की स्थिति को बेहतर बनाना है।

**LLb में एडमिशनः SC-ST को 40% और सामान्य को 45% अंक जरूरी:** एलएलबी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए भी न्यूनतम अंक प्रतिशत निर्धारित किया गया है। तीन वर्षीय एलएलबी कोर्स के लिए सामान्य वर्ग के छात्रों को स्नातक में कम से कम 45 प्रतिशत अंक, अन्य पिछड़ा वर्ग को 42 प्रतिशत और अनुसूचित जाति-जनजाति वर्ग को 40 प्रतिशत अंक लाना अनिवार्य होगा।

इसी तरह पांच वर्षीय एलएलबी कोर्स में प्रवेश के लिए 12वीं कक्षा में भी यही न्यूनतम अंक प्रतिशत लागू रहेगा। यह नियम हरियाणा और मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल से मान्यता प्राप्त बोर्ड के विद्यार्थियों पर लागू होगा।

## अनमोल वचन

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
**एलेअनोर रूज़वेल्ट**

हमारी पहचान हमेशा हमारे द्वारा छोड़ी गई उपलब्धियों से होती है।
**अमरीकी कहावत**

# जल गंगा संवर्धन अभियानः बूंद-बूंद पानी बचाने का संकल्प

निलय श्रीवास्तव

*यह एक ऐसा संकट है जो मानव द्वारा ही निर्मित किया गया है। पर्याप्त वर्षा होने पर भी जल भंडारण तथा पानी के उपयोग के प्रति ईमानदारी न होना इस संकट को आमंत्रण देता है। प्राय: देखा गया है कि कई बार तो उम्मीद से ज्यादा बारिश होने के बावजूद प्रदेश के कुछ हिस्सों में साल भर जल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाती। इसका प्रत्यक्ष कारण जल के महत्व के प्रति लोगों में जागरुकता का अभाव है।*

मालवा में एक कहावत है ''मालव भूमि गहन गंभीर, पग-पग रोटी डग-डग नीर''। उक्त कहावत की पग-पग रोटी की बात तो आज भी कायम है, परंतु डग-डग नीर की बात कुछ वर्षो से झूठी साबित हो रही है। बता दें कि सिर्फ मालवा ही नहीं बल्कि प्रदेश के अन्य हिस्सों में जल संकट तब सताने लगता है जब मई का महिना आरम्भ होता है। यह एक ऐसा संकट है जो मानव द्वारा ही निर्मित किया गया है। पर्याप्त वर्षा होने पर भी जल भंडारण तथा पानी के उपयोग के प्रति ईमानदारी न होना इस संकट को आमंत्रण देता है। प्राय: देखा गया है कि कई बार तो उम्मीद से ज्यादा बारिश होने के बावजूद प्रदेश के कुछ हिस्सों में साल भर जल की उपलब्धता सुनिश्चित नहीं हो पाती। इसका प्रत्यक्ष कारण जल के महत्व के प्रति लोगों में जागरुकता का अभाव है। प्रदेश में पानी की कमी नहीं रहे तथा खेत, उद्योगों को पर्याप्त मात्रा में पानी मिले, इसकी चिंता मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार कर रही है। सरकार ने प्रदेश भर में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाकर जल संरक्षण और पानी की बचत के प्रति लोगों में उत्सुकता जगाने का प्रयास किया है। सरकार चाहती है कि खेत, उद्योग और अन्य आवश्यक संसाधनों को उचित मात्रा में पानी मिले तथा साल भर इसकी कमी न रहे। जल गंगा संवर्धन अभियान का मुख्य उद्देश्य जनसहभागिता से नदियों, तालाबों, बावडियों और अन्य जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार, सफाई और संरक्षण करना है। मध्यप्रदेश में इस वर्ष विगत् 19 मार्च से आरम्भ यह अभियान आगामी 30 जून तक चलेगा। प्रदेश के इंदौर, खण्डवा, नर्मदापुरम्, बुरहानपुर, धार, मुरैना सहित अन्य जिलों में भूजल स्तर को बढ़ाने तथा पानी के संरक्षण के प्रति लोगों

का ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से जल संरक्षण और पानी की बचत के प्रति संकल्प को दौहराना है।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रकृति प्रेमी हैं। वे स्वच्छता तथा पुरातात्वीय धरोहरों को सहेजने पर विशेष ध्यान देते हैं। प्रदेश के प्राचीन तालाबों, बावडियों तथा जल स्त्रोतों का पुनरुद्धार कर उन्हें पुन: जीवित करने के लिये वे अक्सर चिंतित भी रहते हैं। उनके ही मार्गदर्शन तथा देखरेख में प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत हुयी थी जो अब तीव्रतर हो चली है। डॉ- मोहन यादव के शब्दों में ''हम जल संरक्षण के महत्व को जन सामान्य तक पहुँचाने का भरसक प्रयास कर रहे हैं। स्वच्छता के साथ पानी की बचत के प्रति लोग जागरूक हो रहे हैं। बूंद - बूंद पानी का संरक्षण और जनभागीदारी के सिद्धांत पर आधारित जल गंगा संवर्धन अभियान पारम्पिरक जल स्त्रोतों के पुर्नजीवन और प्रदेश को जल सम्पन्न बनाने की दिशा में प्रभावकारी सिद्ध हो रहा है''। प्रसंगवश याद आता है कि साल भर होने वाली वर्षा का अधिकांश पानी व्यर्थ बह जाता है। उसका उपयोग खेतों, उद्योगों में पर्याप्त नहीं हो पाता। जल गंगा संवर्धन अभियान के माध्यम से बारिश के पानी का समुचित भंडारण और भूजल स्तर में वृद्धि करना प्रमुख ध्येय है। जल संरक्षण के लिये मध्यप्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में चौपाल के माध्यम से संकल्प भी दिलाया जा रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में 1.6 लाख जलदूत तैयार किये गये हैं जो आमजन के बीच पहुँचकर जल स्त्रोतों के प्रति जागरुकता बढ़ाने का प्रयास करेंगे। इस पुनीत कार्य में मध्यप्रदेश की मोहन यादव सरकार ने स्वयंसेवी संस्थाओं की मदद भी ली है जो नदी तटों पर जल संरक्षण के उद्देश्य से वृक्षारोपण करने के लिये लोगों को जागरुक और प्रेरित कर रहे हैं। याद दिलाना जरूरी है कि जल भंडारण और संरक्षण के लिये पौधारोपण और स्वच्छता का होना अति आवश्यक है। इस तरह जल गंगा संवर्धन अभियान पानी की बचत, उसके संरक्षण और सही भंडारण के लिये एक मिशन बन गया है। इससे प्रदेश के लाखों लोग जुड़ चुके हैं। जनसहभागिता के चलते यह अभियान अपेक्षा के अनुरुप सफलता अर्जित कर रहा है।

प्राय: देखा जाता है कि वर्षा से प्राप्त पानी का अधिकांश भाग कृषि पर ही व्यय होता है। आबादी बढने के साथ अनाज की पैदावार अधिक हुयी है, इसके साथ कृषि कार्य के लिये ज्यादा पानी की मांग बढ़ गयी है। उधर उद्योग और कारखानों में भी अधिक पानी का उपयोग होता है। पीने के लिये भी स्वच्छ पानी ही चाहिये। आज देखा जा रहा है कि गहन लापरवाही के चलते जल स्त्रोतों के प्रति अनदेखी की जा रही है। हमने अपने तालाबों को पाट दिया है। दो दशक पहले तक तालाबों की जितनी संख्या थी, अब वह महज आधी रह गयी है। शहरों के तालाबों पर भूमाफियाओं की काली नजर पड़ गयी है। तालाबों के स्थान पर इमारतें खड़ी हो गयीं हैं। अब समय आ गया है जब हमें जल संरक्षण और उसके समान वितरण के लिये उपाय करना चाहिये। आवश्यकता इस बात की अधिक है कि जल संरक्षण के सारे उपायों पर ध्यान केंद्रित किया जाये। सिर्फ जागरूकता ही ऐसा उपाय है जो इसके अपेक्षानुरूप परिणाम दिला सकता है। पानी की कम खपत वाली फसलों की खेती, जल संसाधनों का बेहतर नियंत्रण एवं प्रबंधन इस दिशा में कारगार साबित होगा। यदि पानी चाहिये तो इस दिशा में तेजी से प्रयास होना चाहिये। हर समस्या के समाधान के लिये सरकार पर निर्भर रहना ठीक नहीं। इस मानसिकता को बदलना होगा। समस्या को सामूहिक प्रयासों से हल करना चाहिये। सचेत नहीं हुए तो जल की कमी आगे चलकर लाइलाज बीमारी बन जायेगी। सचेत रहकर जल स्त्रोतों को सामूहिक प्रयासों से बचाना हमारी प्राथमिकता होना चाहिये।

## सम्पादकीय

### दल बदल कानून की आड़ में दल बदल

*भारत में इस समय संविधान, कानूनों और नियमों का उपयोग गैर कानूनी एवं अनैतिक तरीके से हो रहा है। संविधान, नियम और कानून का पालन कराने वाले जो लोग कुर्सियों पर विराजमान हैं, वह इन कानूनो का दुरुपयोग करने वालों का संरक्षण कर रहे हैं। जिसके कारण नियम और कानूनो को लेकर आम आदमी का विश्वास धीरे-धीरे खत्म होता चला जा रहा है। यह देश के लिए एक चिंताजनक स्थिति है। भारत में दल बदल कानून इसलिए बनाया गया था, ताकि राजनीतिक दलों में जो लोग किसी पार्टी और विचारधारा से चुनाव जीतकर आते हैं। वह दल बदल करके अपने निजी लाभ के लिए अनैतिक काम न करने पाएं। उसको रोकने 1985 में संविधान में 52वां संशोधन करके दल बदल कानून बनाया गया था। इस कानून में विभाजन, मर्जर, विलय जैसी स्थितियों को परिभाषित किया गया था। 2003 में संविधान में 91 संशोधन के जरिए पुन: संशोधन करना पड़ा। विलय को पुन: परिभाषित किया गया। नियम और कानून में संविधान में संशोधन के बाद भी दल बदल बड़े पैमाने पर होता रहा। 2014 के बाद दल बदल की घटनाएं और भी तेजी के साथ बढ़ना शुरू हो गईं। आज दल बदल कानून एक ऐसा कानून बन गया है, जिसकी आड़ में बड़े पैमाने पर दल बदल हो रहा है। राजनीति में भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी को बढ़ा दिया है। सांसदों और विधायकों के संसद और विधानसभा में अभिव्यक्ति के अधिकार को सीमित कर दिया है। निर्वाचित सांसद या विधायक किसी बिल पर सहमत नहीं हों, उसे खुलकर बहस में भाग लेने या मतदान करने की अनुमति नहीं होती है। पार्टी लाइन के विरोध में मतदान करना चाहेगा, तो उसकी सदस्यता खत्म हो जाएगी। दल बदल कानून के अंतर्गत निर्वाचित सांसदों और विधायकों की अपने मतदाताओं और अपने कर्तव्यों को लेकर अपनी राय जाहिर करने का अधिकार भी खत्म हो गया है। अब पार्टी तय करती है, सांसदों और विधायकों को पार्टी लाइन पर ही मतदान करना होगा, अन्यथा उसकी सदस्यता चली जाएगी। जिसके कारण दल बदल कानून भारतीय लोकतंत्र और भारतीय संविधान का काला कानून बन गया है। कानून और नियम तभी तक स्वीकार्य होते हैं, जब समाज में नैतिकता होती है। यदि नागरिक, नेता, अधिकारी और जिनके कंधों पर जिम्मेदारी है, वह नैतिक और जिम्मेदार नहीं होंगे। जिस तरह से पिछले तीन-चार दशकों में नैतिकता का स्थान अब अनैतिकता ने ले लिया है। जो जीता वही सिकंदर की तर्ज पर नियम और कानूनो का दुरुपयोग शुरू हुआ है। उसके बाद स्थितियां बद से बदतर होती चली जा रही हैं। संविधान ने न्यायपालिका को सर्वोच्च स्थान पर रखा था। न्यायपालिका के पास सीधे कोई अधिकार नहीं है। कानून बनाने की विधायिका को, कार्यपालिका को यह जिम्मेदारी दी गई, जो भी नियम-कानून बनाए जाते हैं, उनके अनुसार कार्यपालिका की जिम्मेदारी तय है। संविधान ने न्यायपालिका को दोनों संवैधानिक संस्थाओं के कार्यों की समीक्षा का अधिकार दिया। नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षण, नियम, कानून और कायदे से कार्यपालिका और विधायिका काम कर रही है, या नहीं। इसकी समीक्षा का अधिकार न्यायपालिका के पास है। न्यायपालिका के आदेशों का पालन करना कार्यपालिका और विधायिका के लिए अनिवार्य है। पिछले कुछ वर्षों में न्यायपालिका संविधान के प्रति अपनी जवाबदेही और कर्तव्यों को लेकर कमजोर होती हुई दिख रही है। न्यायपालिका में भी सरकारी दबाव, भ्रष्टाचार, रिश्वतखोरी, जवाबदेही का अभाव स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिसके कारण अब न्यायपालिका के प्रति लोगों का वह विश्वास खत्म हो रहा है। पिछले कुछ वर्षों में सरकार अपने हर निर्णय को सही ठहराती है। जब उनका विरोध होता है, तब सरकार कहती है न्यायपालिका चले जाओ। न्यायपालिका जाने पर भी वर्षों तक न्याय नहीं मिलता है। तारीख पर तारीख मिलती रहती है, जो फैसले आ रहे हैं, वह आधे अधूरे होते हैं। जिसके कारण कानून के प्रति आम आदमी को विश्वास नहीं रहा। दल बदल कानून का जिस तरह से दुरुपयोग हुआ है। आसंदी में बैठे हुए अध्यक्ष एवं सभापति जो बहुमत के आधार पर चुने जाते हैं। उन्होंने अपने अधिकारों का पार्टी के हितों के लिए दुरुपयोग किया है। सही समय पर फैसला नहीं दिया, फैसला दिया तो वह नियम और कानून के अनुसार नहीं था। जिसकी लाठी, उसकी भैंस का जो कानून हजारों लाखों वर्ष से चला आ रहा था, वही कानून अब लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी स्थान ले रहा है। दल बदल कानून में आसंदी अपनी राजनीतिक निष्ठा के अनुसार अलग-अलग निर्णय देती हैं। कुछ इसी तरह की स्थिति हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट की भी देखने को मिलने लगी है। महाराष्ट्र में जब दल बदल हुआ था, सुप्रीम कोर्ट ने राज्यपाल के निर्णय और दल बदल को गैर संवैधानिक बताया। इसके बाद भी सरकार चलती रही। महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष के निर्णय की न्यायिक समीक्षा समय पर नहीं हुई। दल बदलू सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा कर लिया। उसके बाद दूसरा चुनाव भी हो गया। आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने राज्यसभा में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा में चले गए है। जैसे ही उन्होंने दल बदलने का आवेदन किया। राज्यसभा के सभापति ने बिना किसी सुनवाई के उन्हें भाजपा का सांसद मान लिया। आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब में है, उसके विधायक हैं राष्ट्रीय स्तर की पार्टी है, राज्यसभा के सभापति ने यह देखने की जहमत नहीं उठाई, दल बदल कानून में नियमों का पालन हुआ है, या नहीं, जबकि आम आदमी पार्टी ने अपनी आपत्ति राज्यसभा सचिवालय को सौंप दी थी। वर्तमान हालात को देखते हुए यही कहा जा सकता है। संविधान, लोकतंत्र, कानून का राज, लट्ठ तंत्र के अधीन है। जिसके पास लाठी की ताकत है, कानून उसका ही चलेगा। विधायिका हो, चाहे न्यायपालिका हो या कार्य पालिका हो, लाठी की ताकत से सभी को नियंत्रित होना ही होता है। संविधान की लाठी कमजोर हो गई है। सत्ता पक्ष की लाठी ज्यादा मजबूत है। जो मजबूत है, वहीं शासन कर सकता है। अनादि काल से यही सत्य देखते आ रहे हैं, यही सत्य अंत तक बना रहेगा।*

# रायता समेटने के वक्त ट्रंप की माताजी सो गई थी....

चैतन्य भट्ट

*दरअसल जब अपन ने इनके बारे में खोज बीन की तो ये तथ्य सामने आया । कौरव और पांडवों के बीच चल रहे महाभारत में एक दृष्टांत है जब अर्जुन के बेटे अभिमन्यु की मौत चक्रव्यूह में फंस कर हो गई थी तब ये राज सामने आया था कि महायोद्धा अर्जुन अपनी पत्नी सुभद्रा को चक्रव्यूह भेदन की कथा सुना रहे थे। उस वक्त अभिमन्यु मां सुभद्रा के गर्भ में थे। चक्रव्यूह प्रवेश तक की कथा सुनते सुनते अचानक सुभद्रा की नींद लग गई और अभिमन्यु चक्रव्यूह में घुसने की कला तो सीख गए लेकिन सुभद्रा के नींद लग जाने की वजह से चक्रव्यूह से बाहर निकलने की कला सीखने से वंचित रह गए।*

किसी से भी पूछ लिया जाय कि सारी दुनिया पर कौन सा एक शख्स पनौती बना हुआ है तो निर्विवाद जवाब होगा, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प। खुद को पूरी दुनिया का थानेदार समझने वाले इस आदमी को पूरी दुनिया को हर रोज अलसेट का नया डोज दिए बिना नींद ही नहीं आती। दूसरे नेताओं की बेइज्जती करना, कटोरा फैलाकर शांति का नोबेल पुरस्कार मांगना, खुद को मसीहा बताना और दुनिया भर में रायता फैलाना इनकी अन्य महत्वपूर्ण हॉबी हैं। ऊल-जुलूल बातें कर कर के अपने खुद के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल को लाई अनसोशल बना कर रख दिया है। दुनिया भर में टैरिफ का आतंक फैलाने के खेल से शांति नहीं मिली तो ईरान से बेफिजूल युद्ध छेड़ दिया। कभी कहते हैं कि ईरान की न्यूक्लियर ताकत तबाह कर दी तो कभी कहते हैं ईरान की न्यूक्लियर ताकत दुनिया के लिए खतरा है। और दुनिया है कि हैरान परेशान है कि आखिर ये आदमी ऐसा क्यों है ?

दरअसल जब अपन ने इनके बारे में खोज बीन की तो ये तथ्य सामने आया । कौरव और पांडवों के बीच चल रहे महाभारत में एक दृष्टांत है जब अर्जुन के बेटे अभिमन्यु की मौत चक्रव्यूह में फंस कर हो गई थी तब ये राज सामने आया था कि महायोद्धा अर्जुन अपनी पत्नी सुभद्रा को चक्रव्यूह भेदन की कथा सुना रहे थे। उस वक्त अभिमन्यु मां सुभद्रा के गर्भ में थे। चक्रव्यूह प्रवेश तक की कथा सुनते सुनते अचानक सुभद्रा की नींद लग गई और अभिमन्यु चक्रव्यूह में घुसने की कला तो सीख गए लेकिन सुभद्रा के नींद लग जाने की वजह से चक्रव्यूह से बाहर निकलने की कला सीखने से वंचित रह गए। इसी कथा की परिकल्पना ट्रंप के संदर्भ में कीजिए। डोनाल्ड ट्रंप जब अपनी मां मैरी ऐन ट्रम्प के गर्भ में थे जब उनके पिता फ्रेडरिक ट्रम्प अपनी पत्नी को रायता फैलाने और रायता समेटने की कथा सुना रहे थे। रायता फैलाने तक की कथा सुनते सुनते उनकी पत्नी को नींद आ गई इसलिए ट्रंप बाबू गर्भ में रायता फैलाने की प्रक्रिया तो सीख गए मगर समेटने की विधि अनजानी रह गई। ईरान युद्ध के चक्रव्यूह में यही कमी गले पड़ गई है सो न निगलते बन रहा है न उगलते। और करे कोई भरे कोई की तर्ज़ पर उनकी नौटंकी का खामियाजा सारी दुनिया भुगत रही है।

यू टर्न तो आम बात: इंदौर के खराब ट्रैफिक को लेकर उच्च न्यायालय की इंदौर खंडपीठ ने एक टिप्पणी की कि आजकल यू टर्न लेने में डर लगता है कि कौन कब आकर टक्कर मार दे, हाई कोर्ट की टिप्पणी ट्रैफिक को लेकर रही होगी लेकिन आजकल राजनीति में यू टर्न लेना तो आम बात हो गई अब देखो ना राघव चड्ढा जो बीजेपी को पानी पी पीकर कोसते थे अरविंद केजरीवाल को अपना गुरु और पिता समान मानते थे उन्होंने ऐसा यू टर्न लिया की अरविंद केजरीवाल की भी आंखें फटी की फटी रह गई खुद तो यू टर्न लिया ही अपने साथ छह लोगों को और यू टर्न दिलवा दिया जिसमें एक क्रिकेट का भी खिलाड़ी है , वैसे उनको यू टर्न लेने का पुराना अनुभव है क्योंकि जब विकेट गिर जाता था तो उनको यू टर्न लेकर वापस गैलरी में जाना पड़ता था । जनता बेचारी करें तो करें क्या,? कितनी आशाओं के साथ अपना जनप्रतिनिधि चुनती है आम आदमी पार्टी के विधायकों ने भी कितनी आशाओं के साथ इन सबको राज्यसभा में भेजा था कि राज्यसभा में जाकर पार्टी के पक्ष में काम करेंगे और जनता के मुद्दों पर चर्चा करेंगे लेकिन उन्हें क्या पता था कि वे जिनको राज्यसभा में भेज रहे हैं वे कब अपनी कुर्सी से यू टर्न लेकर दूसरे दल की कुर्सी पर जा बैठेंगे। हाई कोर्ट की टिप्पणी भले ही ट्रैफिक को लेकर हो लेकिन उनकी यह टिप्पणी राजनीति पर ज्यादा माफिक बैठ रही है अपने को तो आज तक समझ में नहीं आया कि कल तक जिस पार्टी की बखिया उधेड़ते थे आज टीवी चैनल में बैठकर उसकी तारीफों के पुल अचानक कैसे बांधने लगते हैं कुछ तो अंतरात्मा भी बोलती होगी कि ये क्या कर रहे हो? लेकिन आजकल अंतरात्मा की आवाज सुनता कौन है ? मित्तल जी पर ईडी का छापा पड़ा तो वे समझ गए कि भैया अगर इससे बचना है तो कमल का साथ पकड़ लो और पकड़ भी लिया । सड़क पर यू टर्न लेने पर ज्यादा से ज्यादा भिड़ंत हो जाएगी लेकिन राजनीति के यू टर्न ने तो पूरी राजनीति के मायने ही बदल दिए ।

गोपाल जी का दर्द: कई बार के विधायक गोपाल भार्गव का दर्द बीच-बीच में इतना बढ़ जाता है कि वे कराहने लगते हैं कब से राह देख रहे हैं कि मंत्रिमंडल का विस्तार होगा और उनको फिर मंत्रिमंडल में शामिल कर लिया जाएगा लेकिन इंतजार, और इंतजार इसके अलावा उनके हिस्से में और कुछ नहीं आ रहा कभी-कभी बीच में पार्टी की लाइन से हटकर भी बयान दे देते हैं सोचते हैं शायद पार्टी उनके दर्द और आक्रोश को देखते हुए उन्हें कुछ ना कुछ दे देगी लेकिन पार्टी के पास इतने लोग हो गए हैं कि वो भी बेचारी किस-किस को एडजस्ट करे। हाल ही में गोपाल भार्गव जी ने एक बयान दे दिया कि जाति के सामने पार्टी कोई महत्व नहीं रखती इसका मतलब साफ है उन्होंने पार्टी के आला कमान को भी सीधा-सीधा संदेश दे दिया कि मेरे लिए मेरी जाति पहले है और पार्टी बाद में , जबकि आजकल तो पार्टी सबसे पहले होती है और उसके बाद दूसरी चीज, लेकिन गोपाल जी आखिर कब तक इंतजार करें इंतजार की भी कोई सीमा होती है और वो सीमा खत्म हो गई है बीच-बीच में निगम मंडलों में नियुक्तियां की चर्चा चलती है वे सोचते हैं चलो मंत्री ना सही निगम मंडल में ही कहीं कुछ जुगाड़ बन जाए लेकिन मंडल निगमों और विकास प्राधिकरणों की नियुक्ति भी बीरबल की खिचड़ी हो गई है पता नहीं कब इन में नियुक्ति होगी और भार्गव जी की किस्मत खुल जाएगी लेकिन ये कब खुलेगी ये कोई नहीं कह सकता।

## राघव चढ्ढा ने खोद दिया आम आदमी पार्टी का गड्ढा

*मनोज कुमार अग्रवाल*

*भारतीय राजनीति में दल बदल और आंतरिक बगावत कोई नई बात नहीं है लेकिन जब किसी उभरती हुई पार्टी के भीतर इस तरह का बड़ा घटनाक्रम सामने आता है तो उसके दूरगामी असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हाल ही मेंराघव चड्ढा के आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होने अथवा दल-बदल/विलय के दावे से भारतीय राजनीति में कई गंभीर समस्याएं और विवाद उत्पन्न हो गए हैं। यह सबसे बड़ा कानूनी मुद्दा है कि क्या चड्ढा के साथ अन्य सांसदों का विलय संवैधानिक है। यह दलबदल विरोधी कानून की प्रासंगिकता और उसके दो-तिहाई वाले प्रावधान पर बहस छेड़ता है कि क्या सांसदों का एक बड़ा समूह रातों-रात पार्टी बदल सकता है। इस घटना के बाद आम आदमी पार्टी को बड़ा झटका लगा है, क्योंकि आरोप है कि उसके 10 में से 7 सांसद पार्टी छोड़कर जा रहे हैं, जो पार्टी के लिए एक अस्तित्व का संकट है। पार्टी के पूर्व सहयोगियों और समर्थकों की ओर से इसे वैचारिक विश्वासघात के रूप में देखा जा रहा है। आप ने आरोप लगाया है कि यह ऑपरेशन कमल के तहत भाजपा द्वारा उसके सांसद नेताओं को तोड़ने की कोशिश है। राघव चड्ढा को हाल ही में राज्यसभा में पार्टी के डिप्टी लीडर पद से हटाया गया था, जिसके बाद यह बगावत हुई। यह पार्टी के भीतर चल रहे आंतरिक मतभेदों और नेतृत्व की पकड़ को उजागर करता है।इस प्रकार के बड़े पैमाने पर दल-बदल से अस्थिरता का युग वापस आने की चिंता बढ़ गई है, जिससे लोकतंत्र के भविष्य पर सवाल उठते हैं। आपको पता है कि राघव चड्ढा और उनके साथ कई राज्यसभा सांसदों का आम आदमी पार्टी से अलग होकर भारतीय जनता पार्टी में जाने का फैसला एक बड़े राजनीतिक बदलाव का संकेत देता है। यह केवल व्यक्तियों का दल बदल नहीं बल्कि एक संगठन की आंतरिक स्थिति और उसकी कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। आम आदमी पार्टी ने अपने गठन के समय खुद को एक वैकल्पिक राजनीति के रूप में प्रस्तुत किया था। ईमानदारी पारदर्शिता और जनहित के मुद्दों को केंद्र में रखकर इस पार्टी ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की। दिल्ली में लगातार जीत और पंजाब में सरकार बनाना इस बात का प्रमाण था कि जनता ने इस पार्टी को स्वीकार किया है। लेकिन अब जिस तरह से पार्टी के भीतर असंतोष और टूट सामने आ रही है वह यह संकेत देता है कि अंदरूनी ढांचे में कहीं न कहीं कमजोरी मौजूद है। राघव चड्ढा का पार्टी से अलग होना अचानक नहीं हुआ। पिछले कुछ वर्षों से उनके और पार्टी नेतृत्व के बीच दूरी की खबरें सामने आती रही थीं। महत्वपूर्ण बैठकों में अनुपस्थिति सोशल मीडिया पर अलग पहचान बनाने की कोशिश और संगठनात्मक गतिविधियों से दूरी यह सभी संकेत पहले से मौजूद थे। जब उन्हें राज्यसभा में उपनेता पद से हटाया गया तो यह स्पष्ट हो गया कि संबंध सामान्य नहीं रहे हैं। इसके बाद उनका इस्तीफा और फिर भाजपा में शामिल होना एक तय दिशा की ओर बढ़?ता कदम प्रतीत होता है। इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है दो तिहाई सांसदों का गणित। भारतीय संविधान के तहत दल बदल कानून यह कहता है कि यदि किसी पार्टी के दो तिहाई सांसद एक साथ दूसरी पार्टी में शामिल होते हैं तो उनकी सदस्यता सुरक्षित रहती है। यही कारण है कि राघव चड्ढा ने अपने साथ पर्याप्त संख्या में सांसदों को जोड़ने का प्रयास किया। यह केवल राजनीतिक निर्णय नहीं बल्कि एक रणनीतिक कदम भी था जिससे उनकी संसदीय स्थिति बनी रहे। यहां सवाल उठता है कि क्या यह केवल व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा का मामला है या फिर पार्टी की कार्यप्रणाली में वास्तविक समस्याएं हैं।*

## खास बात

### भाजपा सरकार में प्रदर्शन विपक्षी दलों जैसे

हमेशा सरकार के खिलाफ प्रदर्शन होते हैं भाजपा लंबे समय तक सरकार के खिलाफ प्रदर्शन करती रही है जिसके कारण सत्ता में रहते हुए भी उसकी प्रदर्शन करने की आदत गई नहीं है पूरे देश में भाजपा प्रदर्शन कर रही है कांग्रेस को प्रदर्शन करना आता नहीं है भाजपा प्रदर्शन करने की आदत छोड़ नहीं पा रही है। सत्ता पक्ष प्रदर्शन के मामले में विपक्ष को भी पीछे छोड़ रहा है। इसे कहते हैं, आदत छोड़ना आसान नहीं है।

### पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी का भगवान मालिक?

पश्चिम बंगाल के चुनाव में प्रथम चरण के जो रुझान सामने आए हैं। उसमें 92 फ़ीसदी मतदान हुआ है। गोदी मीडिया के एंकरों एवं एंकर्नियों के चेहरे खिले हुए हैं। महिला आरक्षण को लेकर जो सुपारी गोदी मीडिया ने ली थी। वह सफल होती दिख रही है। प्रधान मंत्री, गृहमंत्री, आधा दर्जन से अधिक मुख्यमंत्री डेढ़ लाख से अधिक केंद्रीय सुरक्षाकर्मी और चुनाव आयोग मिलकर भाजपा को चुनाव जिताने में लगे हैं। अन्य राज्यों से मतदाता भी रेलगाड़ी में भर भर कर भेजे जा रहे हैं। रही सही कसर न्याय पालिका भी पर्दे के पीछे से पूरी कर रही है। ऐसी स्थिति में ममता बनर्जी का भगवान ही मालिक है। जिस तरह रावण ने सभी ग्रहों को कैद करके रखा था। वही स्थिति अब प्रधानमंत्री मोदी के राज में है।

### विपक्ष के भाग्य में तारीख पर तारीख ?

जो कुछ मिलता है भाग्य से मिलता है। मोदी जी का पिछले जन्मों का इतना पुण्य है। 24 साल से ज्यादा सत्ता में हैं। उनका कोई भी बाल बांका नहीं कर पा रहा है। राष्ट्र के नाम संदेश देने पर मोदी जी के खिलाफ विशेषधिकार प्रस्ताव लाया गया है। सुप्रीम कोर्ट में आचार संहिता के उल्लंघन करने कि याचिका दायर की गई है। मोदी जी और भाजपा निश्चिंत हैं न्याय पालिका से विपक्ष को तारीख पर तारीख मिलेगी? विशेष अधिकार प्रस्ताव में कुछ होगा, इसकी संभावना ना के बराबर है। जब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग खारिज कर दिया गया, ऐसे में विशेषाधिकार प्रस्ताव और विपक्ष की क्या हैसियत है। मोदी जी पर कोई कार्रवाई होगी, इसके बारे में सोचा भी नहीं जा सकता है। यह 1975 नही 2026 है।

### समय की तरह भाजपा भी बलवान?

कहा जाता है, सृष्टि में समय से ज्यादा बलवान कोई नहीं है। अवतारी पुरुषों को भी समय की मार पड़ती है। यह समय भाजपा के पक्ष का है। भाजपा ने धारा 370, अनुच्छेद 35, नोटबंदी, जीएसटी, महिला आरक्षण, जम्मू कश्मीर राज्य का विभाजन, एनआरसी, एसआईआर, कई राज्यों के चुनाव नॉरेटिव बनाकर चुनाव आयोग के बल पर जीत लिए। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस को हटाकर अपनी पसंद का चुनाव आयुक्त चुन लेना कोई आसान काम नहीं था। पूर्ण बहुमत नहीं होने पर भी मोदी जी ठीकरा विपक्ष पर पहले फोड़ते हैं।

## चिंतन-मनन

### धन का भार

पाटलिपुत्र में नाभिकुमार की गिनती सबसे संपन्न लोगों में होती थी। लेकिन अपार धन-संपत्ति होते हुए भी उन्होंने कभी दान नहीं दिया था। कई लोगों ने उन्हें इस बारे में कहा था पर उन्होंने ध्यान नहीं दिया। एक रात उनके घर चोर ने सेंध लगाई। उसने सावधानी से घर का कीमती सामान एकत्र किया और उसकी एक बड़ी पोटली बनाई। पोटली सिर पर रखते ही वह गिर गई और आवाज होते ही नाभिकुमार की आंखें खुल गई। यह चोर के पास आए और पोटली उठाने में उसकी मदद करने लगे। चोर को डर से कांपते हुए देखकर नाभिकुमार ने उससे कहा-डरो मत, तुम यह सब ले जा सकते हो। मगर तुम भी मेरे ही जैसे लगते हो। मैंने भी अपने जमा धन से किसी और के लिए कुछ नहीं निकाला। इसलिए मेरा धन भी मुझ पर भार की तरह है। अगर तुम भी मेरी तरह नहीं करते और पोटली में से थोड़ा सामान निकाल लिए होते तो तुम्हारे लिए इसे उठाना आसान हो जाता। खैर, तुम अब यह सामान ले जा सकते हो। चोर यह सुनकर दंग रह गया। उसने प्रायश्चित करने के उद्देश्य से कहा- आप यह सब वापस ले लीजिए और मुझे क्षमा कीजिए। नाभिकुमार ने कहा- तुम्हें एक ही शर्त पर क्षमा किया जा सकता है। तुम इसमें से कुछ धन ले लो और कोई काम-धंधा शुरू कर दो। इस प्रकार मेरा धन परोपकार के काम में लग जाएगा और तुम्हारा जीवन भी सुधर जाएगा। चोर ने वैसा ही किया। नाभिकुमार उस दिन से हर किसी की सहायता करने लगे।

## राशिफल

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, वैशाख शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय, पश्चिमे तिथि, त्रियोदशी, बुधवार, हस्त नक्षत्रे, हल योगे, कौलव करणे, कन्या की चंद्रमा, आन्द्र योगे, प्रदोष व्रत, तथापि दक्षिण दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी।

**आज जन्म लिए बालक का फल........**

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमानी, चपल, चतुर, चंचल, स्वाभिमानी, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, धनीमानी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता-अधिवक्ता होगा।

**मेष राशि**- व्यापार में प्रगति, यात्रा सुख, खर्च अधिक होगा, व्यर्थ का विरोध होता रहेगा।

**वृष राशि**- कलह, अभीष्ट सिद्धी, धन लाभ, चिन्ता, शारीरिक सुख, कार्य अवश्य ही बनेंगे।

**मिथुन राशि**- भय, व्यापार लाभ, सामाजिक कार्यों में व्यवधान, धन की परेशानी अवश्य बनेगी।

**कर्क राशि**- विद्या बाधा, व्यापार मध्यम, चिन्ता, धार्मिक कार्य, शुभ कार्य में विरोध होगा।

**सिंह राशि**- स्त्री-संतान सुख, यात्रा बाधा, विवाद, आर्थिक कार्य, शुभ कार्य में विरोध होगा।

**कन्या राशि**- भूमि-लाभ, प्रवास, कष्ट, व्यय भार बढ़ेगा, शुभ समाचार तथा प्रसन्नता का योग है।

**तुला राशि**- कारोबार मध्यम, सफलता, स्त्री कष्ट, धन का व्यर्थ व्यय होगा, खर्च से परेशानी।

**वृश्चिक राशि**- थोड़ा लाभ, खेती चिंता, उलझन, शिक्षा की स्थिति सामान्य लाभदायक बनी रहेगी।

**धनु राशि**- घरु सुख, हानि, उन्नत खेती योग मध्यम, कुछ अच्छे कार्य बनेंगे, कार्य का ध्यान रखें।

**मकर राशि**- हर्ष, भूमि लाभ, यश, कारोबार बढ़ेगा, कारोबार में लाभ, व्यय बढ़चढ़ कर अवश्य होगा।

**कुंभ राशि**- भय, हानि, स्त्री सुख, कार्य सिद्धी, जमीन-जायजाद के कार्यों में सफलता मिलेगी।

**मीन राशि**- विद्या बाधा, विवाद, चोरों से भय, पारिवारिक लोगों से लाभ, सफलता मिलेगी।

**पीएल गौतमाचार्य**

## दैनिक पंचांग

29 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

| ग्रह | स्थिति | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | मेष में | वृष | 06.26 बजे से |
| चंद्र | कन्या में | मिथुन | 08.24 बजे से |
| मंगल | मीन में | कर्क | 10.37 बजे से |
| बुध | मीन में | सिंह | 12.54 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | कन्या | 15.05 बजे से |
| शुक्र | वृष में | तुला | 17.16 बजे से |
| शनि | मीन में | वृश्चिक | 19.31 ब.से |
| राहु | कुंभ में | धनु | 21.47 बजे से |
| केतु | सिंह में | मकर | 23.52 बजे से |
| राहुकाल | | कुंभ | 01.38 बजे से |
| 12.00 से 1.30 | | मीन | 03.11 बजे से |
| बजे तक | | मेष | 04.42 बजे से |

**बुधवार** 2026 वर्ष का 119 वा दिन
**दिशाशूल** उत्तर **ऋतु** ग्रीष्म।
**विक्रम संवत्** 2083
**शक संवत्** 1948
**मास** वैशाख **पक्ष** शुक्ल
**तिथि** त्रयोदशी 19.52 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** हस्त 00.17 बजे रात्र को समाप्त।
**योग** हर्षण 20.52 बजे को समाप्त।
**करण** कौलव 07.19 बजे तदनन्तर तैतिल 19.52 बजे को समाप्त।
**चन्द्रायु** 11.5 घण्टे
**रवि क्रान्ति** उत्तर 14° 24'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872694
**जूलियन दिन** 2461159.5
**कलियुग संवत्** 5128
**कल्पारंभ संवत्** 1972949128
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** जिल्काद
**तारीख** 11

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाभ | 05.54 से | 07.22 बजे तक | उद्वेग | 05.41 से | 07.12 बजे तक |
| अमृत | 07.22 से | 08.51 बजे तक | शुभ | 07.12 से | 08.44 बजे तक |
| काल | 08.15 से | 10.19 बजे तक | अमृत | 08.44 से | 10.16 बजे तक |
| शुभ | 10.19 से | 11.47 बजे तक | चर | 10.16 से | 11.47 बजे तक |
| रोग | 11.47 से | 01.16 बजे तक | रोग | 11.47 से | 01.19 बजे तक |
| उद्वेग | 01.16 से | 02.44 बजे तक | काल | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| चर | 02.44 से | 04.12 बजे तक | लाभ | 02.51 से | 04.23 बजे तक |
| लाभ | 04.12 से | 05.41 बजे तक | उद्वेग | 04.23 से | 05.54 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# गर्मियों में खादी और कॉटन में इस प्रकार दिखेंगी स्टायलिश

गर्मियों का मौसम आ गया है। तेज गर्मी से सभी परेशान रहते है और ऐसे में । इस मौसम में सबसे आरामदायक कपड़े खादी और कॉटन के होते है। जो कि आपके शरीर को ठंडा रखते है। आज का दौर फैशन का है। जिसके कारण आपको इनमें भी कई तरह की ड्रेसेस मिल जाएगी जिसमें आज सहज अनुभव करेंगी।

रोजाना कोई न कोई नया फैशन आता है। जिसके कारण सभी फैशन के साथ चलना चाहते है फिर चाहें कोई भी मौसम हो। गर्मियों के मौसम में खादी के कपड़े आपके लिए उपयुक्त साबित हो सकते हैं। खादी के कपड़े से बने स्पेगेटी टॉप, डेनिम से लेकर शॉर्ट ड्रेस तक इस मौसम में न केवल आपके लिए आरामदेह साबित होंगे बल्कि आपको नया और स्मार्ट लुक भी देंगे।

खादी की हाथ से बनी साड़ी सबसे बेहतर होती है और ये विभिन्न रंगों और स्टाइल में मिलती हैं। खादी साड़ी को पहनने से कोई समस्या नहीं होती है क्योंकि ये गर्मी में आरामदेह होती है। मॉडर्न लुक के लिए जरदोजी की कढ़ाई और ब्लॉक प्रिंट वाली खादी की साड़ी चुनें। आप रंगीन प्लेन खादी साड़ी को कढ़ाईदार शर्ट ब्लाउज के साथ भी पहन सकती हैं, जो आपको एकदम नया लुक देगा।

अलग अंदाज और स्टाइल में नजर आने के लिए आप खादी की स्पेगेटी, टॉप को स्कर्ट या ढीले ढाले पैंट के साथ पहन सकती हैं। आप खादी के क्रॉप टॉप को हल्के घेरदार (रैप-अराउंड ) स्कर्ट के साथ पहनकर बेहद आकर्षक नजर आ सकती हैं।

अगर आप और सहज महसूस करना चाहती हैं तो खादी के कुर्ते या शॉर्ट ड्रेस पहन सकती हैं। आप गले पर बढ़िया कढ़ाई वाली कुर्ती के साथ कुछ आभूषण भी पहन सकती हैं, जिसमें आप बेहद खूबसूरत दिखेंगी। गहरे रंग के खादी के स्कॉर्फ या दुपट्टे को आप प्लेन ड्रेस के साथ पहन सकती हैं। दुपट्टे को हल्के रंग की कुर्ती के ऊपर पहनें, जिससे आप निश्चित रूप से भीड़ से अलग नजर आएंगी। आप खादी के शॉर्ट पैंट या श्रग भी पहन सकती हैं। शॉर्ट के ऊपर खादी का श्रग पहनें, जो आपको स्मार्ट लुक देगा।

स्टाइल और सहजता के हिसाब से खादी का डेनिम बेहतर होता है। डेनिम खादी पैंट को ऑफ शोल्डर या कोल्ड शोल्डर टॉप के साथ पहनें।

# खूबसूरती बढ़ाने करी पत्ते का सेवन करें

अगर आप अपनी खूबसूरती बढ़ना चाहती है तो खाने में करी पत्ते को सेवन करें। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन और आयरन त्वचा और बालों को हेल्दी बनाने में मदद करते हैं। चेहरे पर अगर पिंपल्स हैं, दाग-धब्बे, टैनिंग या डार्क स्पॉट्स हैं तो करी पत्ते का फेस मास्क लगाएं। इसके एंटीसेप्टिक और एंटीबैक्टीरियल गुण चेहरे को बेदाग और चमकदार बनाते हैं। फेस मास्क बनाने के लिए करी पत्ते के 10 से 15 ताजे पत्ते दें। इन्हें अच्छे से धोकर पीस लें। अब इसमें 1 चम्मच दही और चुटकी भी हल्दी मिलायें। इस पेस्ट को चेहरे पर 15 से 20 मिनट के लिए लगा लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें, चेहरा चमकने लगेगा।

अगर आपको नरम स्किन चाहिए तो करी पत्ते से फेस सीरम बनाएं। इसके लिए 15 ताजे करी पत्ते लें। इसे गुलाब जल मिलाकर पीस लें। इसके बाद इसे छानकर रस अलग कर लें। अब इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। अगर ऑयली स्किन है तो कुछ बूंद नींबू का रस डालें और अगर ड्राई स्किन है तो 1 विटामिन ई की कैप्सूल मिक्स करें। इस मिश्रण को एयरटाइट बोतल में भरकर फ्रिज में रख दें। रात को सोने से पहले इसकी कुछ बूंदें लेकर चेहरे पर लगाएं।

आजकल बढ़ता स्ट्रेस और गंदा पानी बालों की सेहत को बिगाड़ रहा है। इस कारण से बाल बहुत झड़ने लगे हैं। इस समस्या से बचने के लिए करी पत्ते का तेल बनाएं। इसके लिए एक बर्तन में आधा कटोरी नारियल का तेल लें।इसमें 20 ताजे करी पत्ते डालें और इसे गर्म करें। जब यह तेल गहरा हरा-काला होने लगे तो गैस बंद कर दें। ठंडा होने पर इसे बोतल में छान लें और बालों पर लगाएं। हेयर फॉल की समस्या दूर होने लगेगी।

करी पत्ते से बालों को पोषण मिलता है और इससे बाल जल्दी बढ़ते हैं, साथ में चमकदार भी होते हैं। इसके लिए घर पर हेयर मास्क बनाएं। 15-20 करी पत्ते लें। इसमें 2 चम्मच दही या नारियल का तेल मिक्स करें। साथ 1 चम्मच मेथी दाना डालें। मेथी दाने को एक रात भिगोकर रखना जरूरी है। अब इस मिश्रण को पीसकर पेस्ट बना लें और स्कैल्प से लेकर बालों तक पर लगाएं। आधे घंटे बाद बालों को हल्के शैंपू से धो लें। ऐसा हफ्ते में 2 बार करें। बाल शाइन करने लगेंगे।

अगर स्कैल्प ड्राई है और बालों में डैंड्रफ भी है तो करी पत्ते की मदद से इस समस्या से छुटकारा पाया जा सकता है। इसके लिए 20 से 23 करी पत्ते लें और इनका पेस्ट बना लें। अब इसमें दही मिक्स करके सिर में लगा लें। आधे घंटे बाद हेयर वॉश कर लें1 ऐसा करने से जल्दी फर्क दिखेगा।

# गर्भवती महिलाएं तनाव से बचें

अगर आप गर्भवती हैं तो किसी प्रकार का तनाव न लें। एक अध्ययन रिपोर्ट में दावा किया गया है कि गर्भावस्था के दौरान ज्यादा तनाव में रहने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययनकर्ताओं का दावा है कि गर्भावस्था के दौरान तनाव लेने वाली महिलाओं में गर्भपात का खतरा 42 फीसदी बढ़ जाता है। इससे पहले हुए अध्ययन की रिपोर्ट में यह पाया गया था कि 24 सप्ताह की गर्भवती में होने वाले गर्भपात में 20 फीसदी मामले तनाव के कारण होते हैं।

दोबारा अध्ययन के बाद यह पाया गया कि आंकड़ें इससे कहीं ज्यादा हैं क्योंकि गर्भपात के कई मामले दर्ज ही नहीं होते।

यही नहीं अध्ययन की रिपोर्ट में इस बात का भी खुलासा किया गया कि युवा होते ही तनाव और अवसाद का सामना करने वाले लोगों को आगे के जीवन में बहुत सी बीमारियों का सामना करना पड़ता है!

गर्भावस्थ में काम का ज्यादा तनाव न लें

गर्भावस्था के दौरान काम का बहुत ज्यादा तनाव न लें। अपनी प्राथमिकताएं थोड़ी कम करें और दोस्तों या रिश्तेदारों से मदद लेने में संकोच न करें।

घर का काम कम करें और उस समय का इस्तेमाल आप किताब पढ़ने और आराम करने में कर सकती हैं।

अगर कामकाजी हैं तो ऑफिस में सिक लीव या अपनी छुट्टियों का भरपूर लाभ लें।

लंबी सांस लें और छोड़ें, योग करें या स्ट्रेचिंग करें।

अगर स्वीमिंग आती है तो स्वीमिंग करें या वॉक करें।

हेल्दी खाएं. संतुलित आहार आपके शरीर और मानसिक सेहत दोनों को ठीक रखेगा।

रात में जल्दी सो जाएं क्योंकि इससे आपके गर्भ में पल रहे बच्चों को विकास के लिए ज्यादा समय मिलेगा।

दूसरों की सुनें पर दिल से न लगाएं। गर्भावस्था के दौरान लोग खूब कहानियां सुनाते हैं, उन्हें सुनें जरूर, पर ज्यादा ध्यान न दें। कुछ लोगों को गर्भावस्था में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ऐसा आपके साथ भी हो, कोई जरूरी तो नहीं।

अगर आपको लगता है कि आप तनाव में हैं और आपका तनाव कम नहीं हो पा रहा है तो अपने डॉक्टर से बात करें।

# गर्मियों में त्वचा को इस प्रकार निखारें

गर्मियों में सनबर्न और पसीने के कारण महिलाओं को त्वचा का ख्याल रखना होता है। सूरज की तेज़ किरणों, धूल और पसीने के कारण त्वचा की सुंदरता प्रभावित हो सकती है । ऐसे में आप कुछ प्राकृतिक उपया अपना सकती हैं। इस मौसम में पपीते का रस आपकी त्वचा को निखारता है इसके साथ ही इसके कई और लाभ भी हैं। पपीता में एंजाइम (पैपैन), विटामिन सी और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं, जो त्वचा की गहराई से सफाई करते हैं और उसे निखारते हैं। ऐसे में जो गर्मियों में आपकी त्वचा को दमकाने के साथ ही ये आपकों तरोताजा भी रखता है।

## पपीता और दही का फेस पैक

फायदे: दही में लैक्टिक एसिड होता है, जो त्वचा की चमक को बढ़ाता है और उसमें निखार लाता है। पपीता त्वचा को मुलायम और निखरा बनाता है। यह फेस पैक त्वचा के दाग-धब्बों को हल्का करने में भी मदद करता है।

गर्मी में त्वचा को ग्लोइंग बनाए रखने के लिए पपीता एक बहुत ही असरदार और प्राकृतिक उपाय है। पपीते के साथ शहद और दही जैसे घटक इसे और भी प्रभावी बनाते हैं। इन आसान और प्रभावी फेस पैक्स को अपनी रूटीन में शामिल करके आप अपनी त्वचा को निखार सकते हैं और उसे गर्मी के मौसम में भी ताजगी से भरपूर रख सकते हैं।

# सफेद बालों से बचने इस प्रकार के तरीके अपनाये

अजकल युवतियां कम उम्र में ही बालों के सफेद होने से परेशान हैं। सफेद बालों की समस्या आजकल की एक आम परेशानी बन गई है। यह केवल आपके लुक को प्रभावित नहीं करते, बल्कि आपकी आत्म-विश्वास को भी कम कर सकते हैं। सफेद बालों का आना, समय से पहले बूढ़ा दिखने का एहसास कराता है और यह आपके चेहरे की खूबसूरती को भी कम कर सकता है। यदि आप इस समस्या से निजात पाना चाहती हैं, तो यहां कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर आप अपने बालों की देखभाल कर सकती हैं। मसाज बालों की नियमित मसाज से न केवल रक्त संचार बढ़ता है, बल्कि यह बालों को पोषण भी देती है। हफ्ते में दो बार नारियल तेल, बादाम तेल या ऑलिव ऑयल से बालों की मसाज करें। यह सफेद बालों की समस्या को कम करने में मदद करती है और बालों को स्वस्थ बनाती है।आपका शैम्पू और कंडीशनर भी सफेद बालों के लिए जिम्मेदार हो सकते हैं। इसलिए, ऐसे प्रोडक्ट का चुनाव करें जो आपके बालों के प्रकार के लिए उपयुक्त हो। किसी अच्छे हेयर एक्सपर्ट से सलाह लेकर सही प्रोडक्ट का चुनाव करें। प्राकृतिक शैम्पू और हर्बल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करें।

## बालों को गुनगुना पानी से धोएं

गर्म या अत्यधिक ठंडे पानी से बालों को धोने से बाल कमजोर हो सकते हैं। गुनगुने पानी से बालों को धोना उनकी चमक और स्वास्थ्य बनाए रखने में मदद करता है। यह बालों की त्वचा के लिए भी फायदेमंद होता है।

## बाहर जाते समय स्कार्फ लगायें

सूरज की किरणें, धूल और प्रदूषण बालों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। बाहर जाते समय स्कार्फ, टोपी या बालों को कवर करने वाले अन्य साधनों का उपयोग करें। यह आपके बालों को धूप और प्रदूषण से बचाएगा।

## तेल लगाये

तेल लगाने से बालों को आवश्यक पोषण मिलता है। हफ्ते में कम से कम दो बार तेल लगाएं और इसे कुछ समय तक रहने दें। बाद में अच्छे से धो लें। यह बालों को मजबूत बनाने और उनकी वृद्धि को बढ़ाने में मदद करता है।

आप हफ्ते में 2 बार प्राकृतिक सामग्री जैसे अंडा, दही, आंवला या मेहंदी से बने हेयर पैक का उपयोग कर सकती हैं। ये न केवल बालों को पोषण देते हैं, बल्कि सफेद बालों की समस्या को भी कम करते हैं।

## स्वस्थ आहार लें

आपका आहार भी बालों की सेहत पर असर डालता है। अपने भोजन में हरी सब्जियां, फल, नट्स और दालें शामिल करें। विटामिन B12, आयरन, और जिंक जैसे पोषक तत्वों की कमी से भी बाल सफेद हो सकते हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### वैभव को लेकर मनु बोली, सही मार्गदर्शन मिला तो वह बड़े सितारे बनेंगे

**नई दिल्ली।** 15 साल की उम्र में आईपीएल में धूम मचा रहे क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी के बारे में जब ओलंपिक पदक विजेता निशानेबाज मनु भाकर से पूछा गया तो मनु ने वैभव की सराहना करते हुए कहा कि अगर मेंटरशिप अच्छी है और आसपास का माहौल अच्छा है तो उम्र से फर्क नहीं पड़ता उम्र तो केवल एक नंबर है। प्रतिभा की कोई उम्र नहीं होती। बड़ी उपलब्धियां 60 साल में भी होती हैं और 6 साल में भी। उन्होंने साथ ही कहा कि अगर वैभव को सही मार्गदर्शन मिलता है, तो वह निश्चित रूप से बड़े सितारे बनेंगे। वहीं मनु जैसी शीर्ष स्तर की खिलाड़ी से इस प्रकार के सवाल पर कई लोगों ने आपत्ति जतायी है। उनका कहना है कि मनु ने भारत के लिए ओलंपिक मंच पर महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं और देश का नाम रोशन किया है। उनकी इस पहचान और उपलब्धियों को देखते हुए, उनसे किसी क्रिकेटर पर सवाल किया जाना सही नहीं हैं। ओलंपिक पदक से बढ़कर कुछ नहीं है। उसके सामने आईपीएल कहीं नहीं लगात। इस प्रकार के सवाल कर क्रिकेट को अन्य खेलों से श्रेष्ठ साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। वहीं आईपीएल टीम कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व टीम डायरेक्टर जॉय भट्टाचार्य ने सोशल मीडिया पर लिखा, दोस्तों, वह ओलंपिक पदक विजेता हैं।

### सीएसके खलील की जगह वर्तक को कर सकती है शामिल

**चेन्नई।** चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) चोटिल खिलाड़ी खलील अहमद की जगह उभरते हुए बल्लेबाज आयुष वर्तक को शामिल कर सकती है। सीएसके ने इसी को देखते हुए वर्तक को ट्रायल के लिए बुलाया है। गुजरात टाइटंस (जीटी) के खिलाफ अपने घरेलू मैदान पर मिली करारी हार के बाद से ही टीम अपनी बल्लेबाली को बेहतर करने लिए इस युवा को अवसर देना चाहती है। वर्तक ने पिछले साल अंडर-23 स्टेट ए ट्रॉफी 2025 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया था पर इसके बाद भी उसपर किसी ने बोली नहीं लगायी थी। वहीं अब उसे सीएसके से अवसर मिल रहा है। पूर्व भारतीय ऑफ स्पिनर आर अश्विन ने सीएसके की इस नीति को सराहा है। अश्विन ने सोशल मीडिया में लिखा। सीएसके ने भविष्य के लिए एक मजबूत कोर बनाने में बहुत मेहनत की है। ऐसे बेहतर क्रिकेटर को टीम में लाने का प्रयास अच्छा कदम है।

### मुंबई इंडियंस का रिकार्ड नहीं तोड़ पायी आरसीबी

**नई दिल्ली।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच को 6.3 ओवर ही जीत लिया। आरबीसी ने 75 रनों का लक्ष्य 81 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया पर वह मुंबई इंडियंस का रिकार्ड नहीं तोड़ पायी। मुंबई इंडियंस पहली टीम है जिसने सबसे ज्यादा गेंद शेष रहते हुए मैच जीता था। साल 2008 में मुंबई ने अपने घरेलू मैदान में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ 68 रनों का लक्ष्य जब हासिल किया तब 87 गेंद बची हुई थी। उसी के बाद से ही यह रिकॉर्ड बना हुआ है।

# आईपीएल में आज होगा मुम्बई इंडियंस और सनराइजर्स हैदराबाद में मुकाबला

**मुंबई ■ एजेंसी**

आईपीएल में बुधवार को मुम्बई इंडियंस की टीम अपने घरेलू मैदान पर सनराइजर्स हैदराबाद को हराने के इरादे से उतरेगी। मुम्बई इंडियंस का प्रदर्शन इस सत्र में बेहद खराब रहा है और वह केवल 4 अंक लेकर 9 वें स्थान पर है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अब तक प्रभाव प्रदर्शन नहीं कर पाये है। कई स्टार खिलाड़ियों के होने के बाद भी टीम में निरंतरता की कमी देखी गयी है। ऐसे में उसे जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पिछले मैच में मिली 103 रन से मिली हार से उसका नेट रन रेट भी खराब हो गया है।

टीम के चार प्रमुख खिलाड़ी कप्तान हार्दिक पंड्या और सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन अब तक अच्छा नहीं रहा है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ शतक लगाकर टीम को चार मैचों के बाद जीत दिलायी थी पर सीएसके से हार के कारण वह

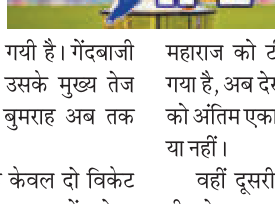


फिर पीछे खिसक गयी है। गेंदबाजी की बात करें तो उसके मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह अब तक विफल रहे हैं1

वह अभी तक केवल दो विकेट ही ले पाए हैं। इसके अलावा ट्रेंट बोल्ट भी अब तक विफल रहे हैं। वह एक विकेट ही ले पाये हैं। दीपक चाहर के नाम भी एक विकेट ही है। ऐसे में उसके लिए सनराइजर्स के आक्रामक बल्लेबाजों को रोकना आसान नहीं होगा।

रोहित शर्मा के चोटिल होने से भी टीम को झटका लगा है। उनकी जगह शामिल दानिश मालेवार असफल रहे है। वहीं चोटिल मिचेल सैंटनर की जगह केशव महाराज को टीम में शामिल किया गया है, अब देखना है कि विल जैक्स को अंतिम एकादश में जगह मिलती है या नहीं।

वहीं दूसरी और सनराइजर्स की टीम ने अब तक अच्छा प्रदर्शन करते हुए 10 अंक लेकर तीसरा स्थान हासिल किया है। उसके बल्लेबाज और गेंदबाज अच्छे फार्म में हैं जिससे वह जीत की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। सनराइजर्स के पास ईशान किशन के अलावा अभिषेक शर्मा, हेनरिक क्लासेन और ट्रेविस हैड जैसे आक्रामक बल्लेबाज हैं। उसके बाद वानखेड़े स्टेडियम के हालातों का लाभ उठाकर बड़ा स्कोर बनाना चाहेंगे। सनराइजर्स ने पिछले मैच में बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स को हराया था। वहीं कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है।

आंकड़ों पर नजर डालें तो दोनो टीमों के बीच अब तक 25 मुकाबले हुए हैं। इसमें से 15 मुम्बई ने जबकि 10 सनराइजर्स ने जीते हैं। कुल मिलाकर देखा जाये तो इस मैच में रोमांचक मुकाबला होना तय है।

### दोनों ही टीमें इस प्रकार हैं

**टीम इस प्रकार है- मुंबई इंडियंस :** हार्दिक पंड्या (कप्तान), क्विंटन डीकॉक (विकेटकीपर), रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), रॉबिन मिंज (विकेटकीपर), दानिश मालेवार, शेरफेन रदरफोर्ड, रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, तिलक वर्मा, राज बावा, कॉर्बिन बॉश, विल जैक, मयंक रावत, नमन धीर, शार्दुल ठाकुर, अश्विनी कुमार, जसप्रीत बुमराह, ट्रेंट बोल्ट, दीपक चाहर, कृष भगत, एएम गजनफर, केशव महाराज, मयंक मारकंडे, मोहम्मद इज़हार, रघु शर्मा.

**सनराइजर्स हैदराबाद :** पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंडु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्ज़ी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।

### युवा न्यूरोडाइवर्स एथलीट्स ने ऐतिहासिक 60 किमी पाल्क स्ट्रेट तैराकी के बाद माननीय उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से की मुलाकात

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण मान्यता के क्षण में, स्पेशल ओलंपिक्स भारत की अध्यक्ष डॉ. मल्लिका नड्डा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने, इंडिया ऑटिज़्म सेंटर (आईएसी) के साथ मिलकर, याधवी स्पोर्ट्स अकादमी के चार युवा न्यूरोडाइवर्जेंट तैराकों, और भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी. पी. राधाकृष्णन के बीच एक प्रत्यक्ष मुलाकात का आयोजन किया। इस संवाद ने उनकी असाधारण उपलब्धि को राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता दिलाई, जहाँ एथलीट्स, मेका श्री अश्वथ (11 वर्ष), गुंटूरु लव (9 वर्ष), गुंटूरु कुश (9 वर्ष), और एन. थानवेश (10 वर्ष) को 18 घंटों के भीतर पाल्क स्ट्रेट में 60 किमी की ओपन वॉटर रिले तैराकी पूर्ण करने के लिए सम्मानित किया गया। अपने माता-पिता और कोच श्री सतीश शिवकुमार, संस्थापक एवं मुख्य कोच, याधवी स्पोर्ट्स अकादमी के साथ, टीम ने अपनी यात्रा, तैयारी और दृढ़ता के बारे में जानकारी साझा की। माननीय उपराष्ट्रपति ने उनके संकल्प की सराहना की और न्यूरोडाइवर्स व्यक्तियों के लिए समावेशी अवसरों को बढ़ावा देने के महत्व पर जोर दिया। इस बैठक में आईएसी का प्रतिनिधित्व श्री जयशंकर नटराजन, मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं निदेशक, तथा सुश्री सखी सिंघी, गवर्निंग बोर्ड सदस्य, प्रमुख - संचार, साझेदारी, फंडरेज़िंग एवं प्रतिभा अधिग्रहण ने किया, जो इस उपलब्धि के पीछे सामूहिक समर्थन को दर्शाता है।

### हैदराबाद में मध्य प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेगी टीम अवागार्ड

## अवागार्ड बनी चैंपियन, अनूपपुर की एमपीईबी उपविजेता

**इंदौर ■ निसं**

यशवंत क्लब में आयोजित मध्य प्रदेश राज्य ब्रिज चैंपियनशिप का समापन इंदौर की टीम अवागार्ड की धमाकेदार जीत के साथ हुआ। चैंपियनशिप में टीम स्पर्धा का खिताब इंदौर की इसी टीम ने अपने नाम कर प्रदेश भर में अपना लोहा मनवाया। अनिल विजयवर्गीय की कप्तानी में अवागार्ड ने शानदार प्रदर्शन करते हुए न केवल ट्रॉफी जीती, बल्कि अगस्त महीने में हैदराबाद में होने वाली राष्ट्रीय ब्रिज चैंपियनशिप के लिए मध्य प्रदेश की आधिकारिक टीम के रूप में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। टीम की इस ऐतिहासिक जीत में कप्तान अनिल विजयवर्गीय के साथ जिनेश अग्रवाल, विनोद ननेरिया, पंकज अग्रवाल, प्रकाश अचार और प्रशांत सिन्हा ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

प्रतियोगिता में आर.के. नागपाल के नेतृत्व में अनूपपुर की टीम एमपीईबी

उपविजेता रही। पूरे टूर्नामेंट के दौरान एमपीईबी टीम ने अपनी रणनीतिक सूझबूझ से कड़ा मुकाबला पेश किया। उपविजेता टीम में कप्तान आर.के. नागपाल के साथ दिनेश पटेल, एस.एन. श्रीवास्तव, विनोद सोनी और रवि सिंह जैसे खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल भावना का परिचय दिया।

24 से 26 अप्रैल तक चले इस तीन दिवसीय आयोजन में 36 से 85 वर्ष तक की आयु के खिलाड़ियों का जोश देखते ही बनता था। चैंपियनशिप में देवास, बैतूल, सुहागपुर, छिंदवाड़ा, भोपाल, जबलपुर और ग्वालियर सहित प्रदेश के प्रमुख शहरों से आए खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। ओपन श्रेणी में महिला खिलाड़ियों की उपस्थिति ने खेल के स्तर को और ऊंचा उठाया।

टीम स्पर्धा के अलावा पेयर इवेंट में भी कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जिसमें छिंदवाड़ा के सूर्यकांत राठी और चैनराज नाहर की जोड़ी विजेता रही। इंदौर के अनिल विजयवर्गीय और जिनेश अग्रवाल उपविजेता रहे, जबकि इंदौर के ही प्रो. अशोक जोगलेकर और सुधीर जैन की जोड़ी तीसरे स्थान पर रही।

### चत्रभुज नरसी स्कूल में निशानेबाजी स्पर्धा सम्पन्न

## दीपेंद्र और तनिष्क वर्मा ने साधा सटीक निशाना, बने चैंपियन

**इंदौर ■ निसं**

चत्रभुज नरसी स्कूल (सीएनएस) में निशानेबाजी का कौशल और उत्सव का उल्लास एक साथ देखने को मिला। यहाँ आयोजित दो दिवसीय पिस्टल शूटिंग प्रतियोगिता में पिता-पुत्र की जोड़ी दीपेंद्र और तनिष्क वर्मा ने अपनी एकाग्रता और अचूक निशाने से चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम कर लिया। ओलंपिक कोच रौनक पंडित के मार्गदर्शन में हुए इस आयोजन ने न केवल शहर के युवा निशानेबाजों को एक नई दिशा दी, बल्कि स्कूल परिसर में आयोजित फिएस्टा ने इसे परिवारों के लिए यादगार बना दिया।

कड़े मुकाबले के बाद दीपेंद्र वर्मा और तनिष्क वर्मा ने अपने सटीक निशाने और धैर्य का परिचय देते हुए बाजी मारी, जबकि आदित्यवर्धन सिंह और भूमिका सोलंकी प्रतियोगिता के रनर-अप रहे। इस वर्कशॉप में लगभग 89 प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर पेशेवर शूटिंग की बारीकियां सीखीं।

एकेडमी के मेंटर और कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट रौनक पंडित ने कहा कि यह केवल

एक प्रतियोगिता नहीं, बल्कि बच्चों में फोकस, सब्र और आत्मविश्वास जगाने की कोशिश थी। उन्होंने कहा कि स्कूल की वर्ल्ड-क्लास 10-मीटर शूटिंग रेंज इंदौर में भविष्य के ओलंपिक चैंपियन तैयार करने की पूरी क्षमता रखती है।

सीएनएस के चेयरपर्सन सुजय जयराज ने कहा कि स्कूल का विजन शिक्षा को केवल किताबी ज्ञान तक सीमित न रखकर उसे अनुशासन, आत्मविश्वास और चरित्र निर्माण से जोड़ना है। इस अवसर पर प्रिंसिपल डॉ. जेरिन जैकब ने भी आयोजन की सफलता और छात्रों के अनुशासित प्रदर्शन की सराहना की।

फिएस्टा ने बनाया उत्सवी माहौल: शूटिंग प्रतियोगिता के साथ-साथ स्कूल परिसर में आयोजित फिएस्टा ने उत्सव का माहौल बना दिया। इसमें करीब 266 लोगों ने शिरकत की। फिएस्टा में क्रिएटिव आर्ट स्पेसेस, डीआईवाई स्टॉल्स और बच्चों के लिए आकर्षण का केंद्र बाउंसी कैसल मौजूद रहे। आयोजन का मुख्य आकर्षण नव-उद्घाटित प्ले एरिया रहा, जहाँ दिन भर बच्चे अपने अभिभावकों के साथ खेलते नजर आए।

## व्यापार समाचार

### 15 अरब डॉलर का गूगल एआई डेटा सेंटर

# विशाखापत्तनम को ग्लोबल एआई हब बनाएगा भारत

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था ने एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक छलांग लगाई है। केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम (तारलुवाड़ा) में 15 अरब डॉलर के आगामी 'गूगल क्लाउड इंडिया एआई डेटा सेंटर' की आधारशिला रखी है। यह महात्वाकांक्षी परियोजना वैश्विक टेक दिग्गज गूगल, अदाणी ग्रुप और भारती एयरटेल की रणनीतिक साझेदारी में विकसित की जा रही है। इस निवेश से विशाखापत्तनम भारत का नया एआई आधारित डिजिटल गेटवे बनने जा रहा है।

परियोजना का विशाल स्तर और रणनीतिक क्षमता: इस एआई डेटा सेंटर का पैमाना भारत के मौजूदा डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को पूरी तरह से बदलने की क्षमता रखता है। इस प्रोजेक्ट से जुड़े प्रमुख आंकड़े और साझेदारियां इस प्रकार हैं।

गीगावाट-स्केल एआई इकोसिस्टम: अदाणी ग्रुप के निदेशक जीत अदाणी ने बताया कि वर्तमान में पूरे भारत की कुल डेटा सेंटर क्षमता लगभग 1.3 गीगावाट है। इसके मुकाबले, अकेले विशाखापत्तनम के इस एक ही लोकेशन पर 1 गीगावाट क्षमता वाला बुनियादी ढांचा विकसित करने की योजना है।

दिग्गजों का गठजोड़: इसे 'अदाणीकनेक्स' और भारती एयरटेल की डेटा सेंटर इकाई 'नेक्सट्रा' के साथ

मिलकर तैयार किया जा रहा है।

हरित ऊर्जा पर जोर: एयरटेल के पास पहले से ही देश भर में 120 से अधिक डेटा सेंटर्स का नेटवर्क मौजूद है और विशाखापत्तनम का यह नया प्रोजेक्ट पूरी तरह से नवीकरणीय (ऊर्जा से संचालित होगा। जीत अदाणी ने स्पष्ट किया कि एआई के संचालन की लागत सीधे तौर पर ऊर्जा की लागत से जुड़ी है, इसलिए किफायती ऊर्जा इस तकनीक को व्यापक रूप से अपनाने में मदद करेगी।

वैश्विक कनेक्टिविटी और हार्डवेयर निर्माण: शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसे भारत के डिजिटल ढांचे को मजबूत करने वाला कदम बताया और विशाखापत्तनम के एक 'एआई सिटी' में तब्दील होने का विश्वास जताया।

सबमरीन केबल नेटवर्क: इस डेटा सेंटर के साथ विशाखापत्तनम से बिछाई जा रही अत्याधुनिक समुद्री केबल और मजबूत फाइबर नेटवर्क के कारण 'लेटेंसी' (डेटा ट्रांसफर में लगने वाला समय) कम होगी। इससे भारत का संपर्क यूरोप, पश्चिम एशिया, अफ्रीका और अमेरिका के साथ और अधिक मजबूत हो जाएगा।

घरेलू विनिर्माण का आह्वान: भारत अब अपनी घरेलू इलेक्ट्रॉनिक मांग का लगभग 50 प्रतिशत खुद पूरा कर रहा है और मोबाइल फोन के निर्यात में बड़ी छलांग लगा चुका है। इसे देखते हुए मंत्री वैष्णव ने गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई और अन्य तकनीकी कंपनियों से भारत में ही सर्वर, ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट और एआई चिप्स का निर्माण करने का आग्रह किया है।

अर्थव्यवस्था और सेक्टोरल प्रभाव इस निवेश का सीधा असर अर्थव्यवस्था के कई प्रमुख क्षेत्रों पर पड़ने वाला है। भारती एंटरप्राइजेज के वाइस चेयरमैन राकेश भारती मित्तल ने रेखांकित किया कि विशाखापत्तनम, जो ऐतिहासिक रूप से एक समुद्री प्रवेश द्वार रहा है, अब डिजिटल इंडिया के लिए 'इंटेलीजेंस एज' का गेटवे बनेगा। इस एआई डेटा सेंटर के जरिए देश की शिक्षा, स्वास्थ्य, वैमानिकी, लॉजिस्टिक और कृषि जैसे क्षेत्रों में क्रांतिकारी बदलाव आएंगे।

एयरटेल के कार्यकारी उपाध्यक्ष गोपाल विट्ठल के अनुसार, ग्रीन पावर और अल्ट्रा-लो लेटेंसी फाइबर नेटवर्क जैसी उनकी एकीकृत क्षमताएं इस विशाल एआई बुनियादी ढांचे को सक्षम बनाएंगी।

# पीएनबी ने 200 से अधिक स्थानों पर मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

भारत के सार्वजनिक क्षेत्र के अग्रणी बैंकों में से एक पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी) ने देशभर में 200 से अधिक स्थानों पर मेगा एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम की मेजबानी की। इस कार्यक्रम का उद्देश्य सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सुलभ, अनुकूलित और प्रतिस्पर्धी दरों पर वित्तीय समाधान प्रदान कर उन्हें सशक्त बनाना है, जो उद्यमिता और आर्थिक विकास के प्रति बैंक की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करता है।

सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देने और एमएसएमई को उनके विकास के लिए सही वित्तपोषण विकल्पों को खोजने में सक्षम बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया यह कार्यक्रम, व्यवसाय करने वालों, उद्योग प्रतिभागियों और बैंकिंग विशेषज्ञों को एक साझा मंच पर साथ लाया। 'जहाँ अवसरों की शुरुआत होती है और व्यवसाय फलते-फूलते हैं' की थीम पर आधारित यह आउटरीच कार्यक्रम ऋण तक पहुँच को सरल बनाने और विशेष रूप से तैयार किए गए वित्तीय समाधान प्रदान करने पर केंद्रित रहा, जो एमएसएमई को अपने संचालन के विस्तार और उत्पादकता में सुधार करने में मदद करते हैं।

विशेषज्ञों तक सीधी पहुँच: तत्काल मार्गदर्शन और अनुकूलित वित्तीय समाधानों के लिए पीएनबी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ सीधे संवाद।

ऋण की तुरंत स्वीकृति: चयनित एमएसएमई ऋण योजनाओं को तुरंत स्वीकृति मिली।

डिजिटल एक्सपीरियंस ज़ोन: डिजिटल बैंकिंग सेवाओं का अनुभव, अपनी पात्रता की जाँच और तुरंत ऑफर।

अनुकूलित पेशकश: विभिन्न व्यावसायिक आवश्यकताओं के अनुसार तैयार किए गए एमएसएमई-केंद्रित ऋण उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंखला। कार्यक्रम के बारे में बोलते हुए, फिरोज हसनैन, सीजीएम, पीएनबी ने कहा: 'एमएसएमई नवाचार, रोजगार और समावेशी विकास के शक्तिशाली इंजन हैं। इस मेगा आउटरीच कार्यक्रम के माध्यम से, हम उद्यमियों को, यहाँ तक कि जमीनी स्तर पर भी, समय पर ऋण, निर्बाध डिजिटल पहुँच और विशेष वित्तीय समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा ध्यान बैंकिंग को सरल बनाने, निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी लाने और व्यवसायों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के लिए सशक्त बनाने पर है, जिससे देश के जीडीपी में सार्थक योगदान दिया जा सके।'

### स्नैबिट को सीरीज-डी में मिले 5.6 करोड़ डॉलर

**नई दिल्ली।** घरेलू सेवाएं प्रदान करने वाले मंच स्नैबिट ने मंगलवार को सीरीज-डी वित्त पोषण दौर में 5.6 करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 530 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस नए निवेश से कंपनी अपने बही-खाते को मजबूत करने, छोटे बाजारों में विस्तार करने और जल्द ही नई सेवा श्रेणियों में प्रवेश करने की योजना बना रही है। कंपनी ने एक बयान में बताया कि इस वित्त पोषण दौर का सह-नेतृत्व सस्क्वेहाना वेंचर कैपिटल, मिराए एसेट वेंचर इन्वेस्टमेंट्स के यूनिकॉर्न ग्रोथ फंड और बर्टेल्समैन इंडिया इन्वेस्टमेंट्स ने किया। मौजूदा निवेशकों नेक्सस वेंचर पार्टनर और लाइटस्पीड ने भी इस महत्वपूर्ण दौर में भाग लिया। इस ताजा निवेश के साथ स्नैबिट ने अब तक कुल 11.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर की पूंजी जुटाई है। गौरतलब है कि सीरीज-डी वित्त पोषण किसी भी स्टार्टअप या कंपनी के लिए पूंजी जुटाने का एक उन्नत एवं परिपक्व चरण माना जाता है, जो उसकी स्थिरता और विकास क्षमता को दर्शाता है।

### धूत ट्रांसमिशन ने मल्टीलिंक का अधिग्रहण कर ईवी सेगमेंट में पैठ बढ़ाई

**मुंबई।** बेन कैपिटल समर्थित धूत ट्रांसमिशन ने इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए बेंगलुरु स्थित मल्टीलिंक का अधिग्रहण किया है। कंपनी ने मंगलवार को घोषणा की कि यह कदम दोपहिया व तिपहिया वाहनों में बढ़ते विद्युतीकरण के रुझान का लाभ उठाने की रणनीति के अनुरूप है। मल्टीलिंक दोपहिया एवं तिपहिया मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) के लिए विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाती है। धूत ट्रांसमिशन के प्रबंध निदेशक ने इस अधिग्रहण को एक रणनीतिक कदम बताया, जिससे मल्टीलिंक के उत्पाद खंड और ग्राहकों के साथ उसके लंबे समय से संबंध धूत के लिए फायदेमंद होंगे। यह अधिग्रहण धूत को तेजी से बढ़ते दोपहिया व तिपहिया क्षेत्रों में अपनी स्थिति मजबूत करने में मदद करेगा, जहां विद्युतीकरण और इलेक्ट्रॉनिक सामग्री की बढ़ती मांग संरचनात्मक वृद्धि को बढ़ावा दे रही है। हालांकि, सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया गया है।

### वित्त वर्ष 27 की कमाई पर मंडराया संकट, तेल की कीमतें बनी चिंता

**नई दिल्ली।** भारतीय कंपनी जगत के लिए आने वाले वित्त वर्ष 2026-27 की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में विश्लेषकों ने कटौती करनी शुरू कर दी है। इसके पीछे मुख्य कारण पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक संघर्ष और कच्चे तेल की लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुई कीमतें हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कारकों का पूरा असर अभी सामने नहीं आया है, और यह अगली कुछ तिमाहियों में कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। विश्लेषकों ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारतीय कंपनियों की कमाई में वृद्धि के अनुमानों में कमी की है। निप्पॉन इंडिया ऐसेट मैनेजमेंट के एंड्रयू हॉलैंड को खाड़ी युद्ध से पहले 10-12 फीसदी वृद्धि की उम्मीद थी, जो अब युद्ध के लंबा खिंचने पर 6-10 फीसदी तक घट सकती है।

### डिजिटल डॉलर से ग्लोबल बैंकिंग में भूचाल, बैंकों की कमाई पर खतरा!

# रेमिटेंस और विदेशी मुद्रा बाजारों पर भी असर, आम आदमी के लिए सस्ता होगा लेनदेन

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

अमेरिका अपने डॉलर को डिजिटल अवतार में पेश करने की तैयारी में है, जिसका वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर गहरा असर पड़ने वाला है। इस स्टेबलकॉइन के आने से दुनिया भर के केंद्रीय और व्यावसायिक बैंकों में चिंता बढ़ गई है, क्योंकि इससे उनकी कमाई का एक बड़ा

जरिया प्रभावित होगा। गोल्डमैन सैश ने इस कदम को एक आर्थिक तूफान करार दिया है, जो बैंकिंग, विदेशी मुद्रा बाजार और भारत जैसे बड़े रेमिटेंस बाजारों के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करेगा। बैंकों की आय का एक अहम हिस्सा विदेशी फंड ट्रांसफर और करेंसी कन्वर्जन पर लगने वाले शुल्क से आता है, लेकिन डिजिटल डॉलर के प्रचलन से ये शुल्क लगभग नगण्य हो जाएंगे। यह डिजिटल मुद्रा 24 घंटे उपलब्ध होगी, जिससे आम आदमी के लिए अंतरराष्ट्रीय लेनदेन सस्ता और सुलभ हो जाएगा। अमेरिकी प्रशासन 2027 से जीनियस एक्ट को लागू करने की तैयारी में है। इसके तहत फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन ने यूएस डिजिटल एसेट रेगुलेशन और स्टेबलकॉइन के लिए नए नियमों को मंजूरी दे दी है, जो इस वित्तीय बदलाव का मार्ग प्रशस्त करेंगे। यह कदम निश्चित रूप से वैश्विक बैंकिंग और वित्तीय लेनदेन के भविष्य को नया आकार देगा।

### दुनिया के सबसे पसंदीदा फूड ब्रांड की कहानी

# ऐक्सपीरियंस के लिए दावत फैक्ट्री का अनावरण किया

### एलटी फूड्स ने किडज़ानिया में बच्चों के लिए एक इमर्सिव, कहानी पर आधारित लर्निंग

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

कंज्यूमर फूड स्पेस की अग्रणी बिलियन-डॉलर ग्लोबल एफएमसीजी कंपनी एलटी फूड्स लिमिटेड ने अपने फ्लैगशिप ब्रांड दावत 0 के लिए एक इमर्सिव फैक्ट्री लॉन्च करने के लिए देश के सबसे बड़े इनडोर ऐजुटेनमेंट थीम पार्क किडज़ानिया इंडिया के साथ पार्टनरशिप की है। दावत 0 फैक्ट्री अपनी तरह का पहला ऐक्सपीरिएंशियल सेंटर है जिसे इसलिए डिजाइन किया गया है कि बच्चों को खेत से खाने तक बासमती चावल के सफर के बारे में ऐजुकेट और ऐंगेज किया

जा सके। यह नया ऐस्टैब्लिशमेंट 4 से 14 साल के बच्चों को आमंत्रित करता है, जहां वे प्रोडक्शन इंजीनियर की यूनिफॉर्म पहन कर, टीमें बनाकर उस प्रोसेस और टेक्नोलॉजी को खुद अनुभव करते हैं जिनके द्वारा दुनिया का सबसे पसंदीदा फूड ब्रांड दावत 0 बनाया जाता है। 25 मिनट से ज्यादा समय तक, बच्चे पूरी प्रोसेसिंग लाइन को देखते हैं, क्वालिटी पर फैसले लेते हैं, मशीनरी चलाते हैं, और फैक्ट्री से निकलने वाले बेहतरीन बासमती के हर पैकेट के पीछे की ज़िम्मेदारी को समझते हैं। अपनी शिफ्ट पूरी करने पर बच्चे दावत 0 बासमती का 200 ग्राम का पैक और एक 'डिजिटल सर्टिफिकेट ऑफ अचीवमेंट' घर ले जाते हैं, जो एक सर्टिफाइड प्रोडक्शन इंजीनियर के तौर पर सीखे गए उनके काम की पहचान है, जिसे वे अपने पास सहेज सकते हैं। दावत 0 फैक्ट्री को किडज़ानिया सिटी में एक खास चीज़ बनाने वाली बात यह है कि यह लगभग हर भारतीय रसोई में मिलने वाले उत्पाद और उसकी रचना में उपयोग होने वाले विज्ञान, सटीकता और देखभाल के बीच एक निर्बाध सम्पर्क है, जो अक्सर उपभोक्ताओं की नज़रों से छुपा रहता है। इस अवसर पर एलटी फूड्स के मैनेजिंग डायरेक्टर और सीईओ श्री अश्विनी अरोड़ा ने कहा, ''एलटी फूड्स में, हम उपभोक्ताओं और उनके खाने के बीच गहरा रिश्ता बनाने में विश्वास करते हैं। दावत 0 फैक्ट्री लॉन्च करने के लिए किडज़ानिया इंडिया के साथ हमारा सहयोग बच्चों के लिए अर्थपूर्ण अनुभव रचने की दिशा में एक अहम कदम है।

## चलती बस में अचानक लगी आग, दो यात्रियों की मौत, कई झुलसे

**बवानीखेड़ा।** हरियाणा के बवानीखेड़ा क्षेत्र में सवारियों से भरी एक प्राइवेट बस में अचानक आग लग गई जिसमें दो यात्रियों की मौत हो गई और कई यात्री झुलस गए। बस बवानीखेड़ा से हांसी जा रही थी और गांव मिल्कपुर के पास हादसे का शिकार हो गई। बताया जा रहा है कि बस में करीब 20 यात्री सवार थे। अचानक लगी आग ने कुछ ही मिनटों में पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे बस जलकर पूरी राख हो गई। मीडिया रिपोर्ट में शुरुआती जानकारी के मुताबिक इस हादसे में दो लोगों की मौत की सूचना है, जबकि आधा दर्जन के करीब लोग घायल हुए हैं। घायलों को तुरंत अस्पतालों में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। जानकारी के मुताबिक दो घायलों का इलाज हांसी के नागरिक अस्पताल में चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

### कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का पूरी तरह से सफाया

## फिर लहराया भगवा, सभी 15 नगर निगम सीटों पर बीजेपी का कब्जा

**अहमदाबाद ■ निसं**

गुजरात निकाय चुनाव 2026 में भारतीय जनता पार्टी ने फिर अपना दबदबा साबित किया है। गुजराज राज्य की सभी 15 नगर निगम सीटों के नतीजे सामने आ चुके हैं और बीजेपी ने सभी नगर निगमों में जीत दर्ज क्लीन स्वीप किया है। अहमदाबाद नगर निगम में पार्टी ने 192 में से 158 सीटों पर कब्जा जमाकर शहरी राजनीति में अपनी मजबूत पकड़ दिखाई है। इस जीत के साथ बीजेपी ने साफ संकेत दे दिया है कि गुजरात में उसकी संगठनात्मक ताकत अब भी बेहद मजबूत है।

राजकोट में भी बीजेपी का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा, जहां नगर निगम की 72 सीटों में से बीजेपी ने 65 सीटें जीत लीं, जबकि कांग्रेस को सिर्फ 7 सीटे ही जीत सकी। आप यहां खाता तक नहीं खोल सकी। वहीं, राजकोट जिला पंचायत की 36 सीटों में बीजेपी ने 34 सीटें जीतकर विपक्ष को पूरी तरह से साफ कर दिया। तालुका पंचायतों में भी बीजेपी का दबदबा दिखाई दिया। धोराजी, जेतपुर, गोंडल, कोटड़ा सांगाणी, लोढिका, पडधरी, जसदण, विंछिया और जामकंडोरना सहित ज्यादातर पंचायतों में बीजेपी ने बड़ी जीत दर्ज की। उपलेटा में मुकाबला बेहद कांटे का रहा और नतीजा टाई पर खत्म हुआ। कुल मिलाकर बीजेपी ने 11 में से 10 तालुका पंचायतों में जीत हासिल की। सबसे बड़ी जीत गोंडल सिविक बॉडी में देखने को मिली, जहां बीजेपी ने सभी 44 सीटों पर कब्जा किया। कांग्रेस और आप यहां एक भी सीट नहीं जीत सकीं। पूरे राजकोट जिले में बीजेपी ने 202 में से 155 सीटें जीतकर अपनी मजबूत पकड़ और संगठनात्मक क्षमता का प्रदर्शन किया।

वहीं बीजेपी ने अहमदाबाद नगर निगम में शानदार जीत हासिल की है। पार्टी ने 192 में से 158 सीटें जीतकर गुजरात के सबसे बड़े शहर में अपना वर्चास्व कायम रखा। इस जीत का पैमाना शहरी स्तर पर सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में मिले निर्णायक जनादेश को दिखाता है।

## नई दिल्ली में बीजेपी में शामिल हुई आप सांसद स्वाति मालीवाल

**नई दिल्ली।** नई दिल्ली में मंगलवार को एक राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला। जहां आम आदमी पार्टी (आप) की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल हो गई हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार, दिल्ली में भाजपा नेताओं की मौजूदगी में उन्हें औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता दिलाई गई। इस मौके पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा भी मौजूद रहे। बताया गया कि स्वाति मालीवाल ने सदस्यता ग्रहण करने के बाद कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा में शामिल हुई हैं। अपने बयान में उन्होंने यह दावा किया कि जब वे दिल्ली महिला आयोग में कार्यरत थीं, तब उन्होंने निष्पक्ष तरीके से काम किया और उस दौरान उन्हें विभिन्न स्तरों पर सहयोग भी मिला। उन्होंने भाजपा नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त कर कहा कि यह उनके लिए भावनात्मक और महत्वपूर्ण दिन है।

## हरियाणा के युवक की टेक्सास में आग में जिंदा जलने से मौत

**करनाल।** हरियाणा के एक युवक की टेक्सास शहर में फूड स्टोर में लगी आग में जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसे में पंजाब के मोहाली निवासी स्टोर मालिक विक्रांत की भी मौत हुई। जब आग लगी, तब युवक और स्टोर मालिक दोनों अंदर सो रहे थे। पुलिस के अनुसार, आग इतनी तेजी से फैली कि दोनों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। जब तक आग पर काबू पाया गया, तब तक दोनों की मौत हो चुकी थी और पूरा स्टोर भी जलकर खाक हो गया। मृतक की पहचान करनाल के गंगाटेहड़ी गांव निवासी सुखविंद्र सिंह (22) के रूप में हुई है। वह परिवार का इकलौता बेटा था। परिजनों ने करीब 50 लाख रुपए खर्च कर युवक को डंकी रूट के जरिए अमेरिका भेजा था।

## भुज में ओवैसी की पार्टी ने जीती 3 सीटें

**अहमदाबाद।** भुज नगरपालिका में सांसाद असदुद्दीन ओवैसी की अगुवाई वाली ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) का खाता खुला है। भुज नगर पालिका में एआईएमआईएम के उम्मीदवारों को तीन सीटों पर जीत मिली है। इन चुनावों में सबसे ज्यादा 9237 प्रत्याशी बीजेपी के चुनाव निशान पर मैदान में हैं। कांग्रेस ने 8443 उम्मीदवार उतारे हैं। आम आदमी पार्टी के सिंबल पर भी 5261

### भारत तक तेल पहुंचाने का रास्ता निकाल लिया

# सऊदी-यूएई ने होर्मुज को कर दिया बायपास!

**नईदिल्ली ■ एजेंसी**

ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल का युद्ध शुरू होने के बाद जब होर्मुज स्ट्रेट बंद हुआ तो भारत के लिए तेल और गैस की किल्लत हो गई. तेल और गैस के लिए सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (श्व) जैसे खाड़ी देशों पर निर्भर भारत के लिए होर्मुज का बंद होना बड़ा झटका साबित हुआ. इस बीच रूसी तेल पर लगे बैन के हटने से भारत को राहत मिली लेकिन सऊदी, यूएई से भारत को तेल सप्लाई कुछ समय के लिए लगभग बंद हो गई. लेकिन दोनों खाड़ी देशों ने इसका तोड़ भी निकाल लिया और होर्मुज को बायपास कर कच्चा तेल अब भारत तक पहुंचाने लगे हैं.

सऊदी अरब से भारत को कच्चे तेल की सप्लाई अब सामान्य हो गई है और यूएई से आने वाली खेप पिछले साल के औसत से काफी ज्यादा चल रही है. ऐसा इसलिए संभव हो सका है क्योंकि दोनों देशों ने होर्मुज स्ट्रेट में रुकावट के बीच वैकल्पिक बंदरगाहों से लोडिंग बढ़ा दी है. शिप-ट्रैकिंग फर्म केप्लर के वरिष्ठ रिसर्च एनालिस्ट निखिल दुबे ने इकोनॉमिक टाइम्स से कहा कि सऊदी अरब और यूएई से बढ़ी सप्लाई, ईरान और वेनेजुएला से दोबारा शुरू हुए आयात, और रूस से अधिक खरीद ने खाड़ी क्षेत्र से आई कमी की आंशिक भरपाई की है. इससे अप्रैल में भारत को कच्चे तेल की उपलब्धता बनी रही.

केप्लर के मुताबिक, 1 से 26 अप्रैल के बीच भारत का औसत कच्चा तेल आयात 44 लाख बैरल प्रतिदिन रहा, जो फरवरी के 52 लाख बैरल प्रतिदिन के मुकाबले करीब 15त्न कम है. इसकी मुख्य वजह यह है कि भारत के दूसरे सबसे बड़े स्रोत इराक से सप्लाई अभी भी बंद है, साथ ही कुवैत और कतर से भी आपूर्ति रुकी हुई है। अप्रैल में सऊदी अरब ने भारत को 6.97 लाख बैरल प्रतिदिन तेल भेजा, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 का औसत 6.68 लाख बैरल प्रतिदिन था. वहीं, यूएई से सप्लाई 6.19 लाख बैरल प्रतिदिन रही, जो पिछले वित्त वर्ष के 4.33 लाख बैरल प्रतिदिन औसत से काफी ज्यादा है.सऊदी अरब ईस्ट-वेस्ट पाइपलाइन के जरिए भारत तक तेल भेज रहा है. फारस की खाड़ी स्थित रास तनुरा बंदरगाह से भेजी जाने वाली तेल की खेप 70 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली पाइपलाइन के जरिए लाल सागर के यनबू टर्मिनल तक आ रही है. दूसरी ओर यूएई 17 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली पाइपलाइन के जरिए तेल को फुजैरा बंदरगाह तक भेज रहा है, जो ओमान की खाड़ी पर स्थित है. इन दोनों देशों के अलावा खाड़ी के अन्य उत्पादक देश अब भी निर्यात के लिए बड़े पैमाने पर होर्मुज पर निर्भर हैं. भारत ने ओमान से भी तेल खरीद बढ़ा दी है क्योंकि उसका तेल होर्मुज के जरिए नहीं आता. अप्रैल में भारत को ओमान से 1.01 लाख बैरल प्रतिदिन तेल मिला, जबकि 2025-26 का औसत केवल 18 हजार बैरल प्रतिदिन था। युद्ध के बाद रूस और ईरान के तेल पर अमेरिकी प्रतिबंधों में ढील से भारतीय रिफाइनरों को राहत मिली है।

## अमृत भारत एक्सप्रेस की दो नई सेवाओं का शुभारंभ

### भोपाल मंडल के यात्रियों को मिलेगा बड़ा लाभ

**भोपाल ■ एजेंसी**

यात्रियों को आधुनिक, आरामदायक एवं किफायती रेल सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में भारतीय रेल द्वारा एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दो नई अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं का शुभारंभ माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 28 अप्रैल 2026 को किया गया है। बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस तथा लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष फेरे 28 अप्रैल 2026 को अपने प्रारंभिक स्टेशन से प्रस्थान कर दिनाँक 29 अप्रैल, 2026 इटारसी एवं हरदा रेलवे स्टेशन गाड़ी आगमन पर स्थानीय जन प्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिको एवं रेलवे अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में उदघाटन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इन दोनों नई सेवाओं से पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक यात्रा सुविधाएं तथा अधिक सुगम यात्रा विकल्प उपलब्ध होंगे। 1. वाया इटारसी लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट अमृत भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन विशेष फेरा भारतीय रेल द्वारा गाड़ी संख्या 02211/02212 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस के परिचालन को स्वीकृति प्रदान की गई है। इसका उद्घाटन विशेष फेरा 28 अप्रैल 2026 को अयोध्या धाम जंक्शन से संचालित किया जाएगा। यह ट्रेन भी 22 कोचों के साथ चलेगी।यह नई सेवा भोपाल मंडल के इटारसी स्टेशन से होकर संचालित होगी। इटारसी स्टेशन पर समय-सारणी

इटारसी - आगमन 07.~30 बजे, प्रस्थान 07.35 बजे इसके अतिरिक्त यह ट्रेन सुल्तानपुर, प्रयागराज, मानिकपुर, जलगांव, नासिक रोड, कल्याण एवं ठाणे स्टेशनों से होकर लोकमान्य तिलक टर्मिनस पहुंचेगी। 2. बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस का शुभारंभ

गाड़ी संख्या 02531 बनारस-हडपसर उद्घाटन स्पेशल का शुभारंभ 28 अप्रैल 2026 को बनारस से 16~45 बजे किया जाएगा। यह ट्रेन अत्याधुनिक 22 कोचों वाली अमृत भारत रेक के साथ संचालित होगी। इन दोनों नई अमृत भारत सेवाओं के माध्यम से यात्रियों को बेहतर गति, आधुनिक कोच, उन्नत यात्री सुविधाएं तथा अधिक आरामदायक यात्रा अनुभव प्राप्त होगा। ये सेवाएं उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं पश्चिम भारत के बीच संपर्क को और अधिक सुदृढ़ करेंगी। बनारस-हडपसर तथा अयोध्या कैंट-लोकमान्य तिलक टर्मिनस अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाओं से भोपाल मंडल के यात्रियों को नए गंतव्यों के लिए तेज, सुगम और सुविधाजनक रेल विकल्प उपलब्ध होंगे। रेल प्रशासन द्वारा दोनों ट्रेनों के नियमित संचालन की सूचना पृथक से जारी की जाएगी।

### होर्मुज खोलने की मिन्नतें कर रहा ईरान', ट्रंप का दावा

## 121 देशों के समर्थन से ईरान को मिला उपाध्यक्ष पद

**न्यूयॉर्क ■ एजेंसी**

संयुक्त राष्ट्र संघ के नेतृत्व में परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) की एक महीने तक चलने वाली अहम बैठक शुरू हो गई है। लेकिन इस बैठक की शुरुआत में ही अमेरिका को एक बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है। बैठक में 34 देशों के प्रतिनिधियों को उपाध्यक्ष चुना गया है, जिसमें ईरान ने भी अपनी जगह पक्की कर ली है। अमेरिका के भारी विरोध और एड़ी-चोटी का जोर लगाने के बावजूद ईरान को एनपीटी के भीतर उपाध्यक्ष का पद मिल गया है। आपको बता दें कि एनपीटी में एक अध्यक्ष और 34 उपाध्यक्ष हर 5 साल पर चुने जाते हैं और इस बार अध्यक्ष की कुर्सी चीन व रूस के करीबी माने जाने वाले वियतनाम को मिली है।

121 देशों के समर्थन से ईरान ने मारी बाजी: समाचार एजेंसी रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका ने ईरान को इस पद से दूर रखने के लिए आखिरी वक्त तक अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी, लेकिन 121 देशों के भारी समर्थन के कारण ईरान ने यह कुर्सी हासिल कर ली। इस जीत के बाद ईरान का स्पष्ट कहना है कि उसके नेता ने हमेशा से परमाणु हथियारों का विरोध किया है और अमेरिका जानबूझकर पूरी दुनिया में उनके खिलाफ सिर्फ झूठ फैलाने का काम कर रहा है। अमेरिका ने बताया 'अपमान', कहा- खत्म हो जाएगी विश्वसनीयता: परमाणु अप्रसार संधि के अध्यक्ष हेंग वियत के अनुसार, गुट निरपेक्ष देशों ने मजबूती से ईरान का समर्थन किया। हालांकि यूएई और अमेरिका जैसे देशों ने इसका कड़ा विरोध किया, लेकिन उनकी एक न चली। ईरान की इस जीत पर अमेरिकी शस्त्र नियंत्रण और अप्रसार ब्यूरो के सहायक सचिव क्रिस्टोफर येव ने भड़कते हुए इसे एनपीटी के लिए एक बड़ा अपमान करार दिया है। येव ने कहा कि ईरान ने लंबे समय से परमाणु अप्रसार नीति की प्रतिबद्धताओं के प्रति अपनी अवमानना दिखाई है, ऐसे में उसे इस पद के लिए चुना जाना बेहद शर्मनाक और एनपीटी की विश्वसनीयता को खत्म करने वाला फैसला है। ईरान का करारा पलटवार- अमेरिका ने ही किया है परमाणु बम का इस्तेमाल: अमेरिका की इस तिलमिलाहट पर अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी में ईरान के दूत रजा नजाफी ने भी करारा पलटवार किया है। नजाफी ने सीधे तौर पर अमेरिका की नीयत पर सवाल उठाते हुए कहा कि अमेरिका दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है, जिसने हकीकत में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल किया है। ऐसे में उसे इस मुद्दे पर बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका खुद दुनिया को उपदेश देते हुए अपने परमाणु शस्त्रागार का लगातार विस्तार करने में लगा हुआ है।

## रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दक्षिण तटीय रेलवे और आंध्र प्रदेश में इसके व्यापक विस्तार के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी करने के संबंध में घोषणा की

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी तथा सूचना एवं प्रसारण मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने विशाखापत्तनम में गूगल क्लाउड इंडिया एआई हब के शिलान्यास समारोह के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण तटीय रेलवे जोन के गठन के लिए राजपत्र अधिसूचना जारी की जाएगी जो 1 जून, 2026 से प्रभावी होगी। उन्होंने संकेत दिया कि यह कदम आंध्र प्रदेश में रेलवे प्रशासन को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मंत्री महोदय ने यह भी बताया कि आंध्र प्रदेश को रेलवे के लिए रिकॉर्ड 10,134 करोड़ रुपये का बजट आवंटन प्राप्त हुआ है जो आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के लिए संयुक्त रूप से विगत वर्षों में आवंटित 886 करोड़ रुपये की तुलना में काफी अधिक है। उन्होंने बताया कि आंध्र प्रदेश में वर्तमान में लगभग 1,06,000 करोड़ रुपये की रेलवे परियोजनाएं चल रही हैं जिनका उद्देश्य बंदरगाहों, पर्यटन स्थलों और प्रमुख शहरों को जोड़ने के साथ पूरे राज्य में संपर्क को बढ़ाना है।

आंध्र प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का 100 प्रतिशत विद्युतीकरण कर लिया गया है जिससे यह रेलवे के आधुनिकीकरण के मामले में अग्रणी क्षेत्रों में शामिल हो गया है। मंत्री ने यात्री सेवाओं के संबंध में बताया कि वर्तमान में राज्य में 16 वंदे भारत ट्रेनें और 22 अमृत भारत ट्रेनें चल रही हैं जिससे यात्रा की क्षमता और सुविधा में वृद्धि हुई है। इसके अतिरिक्त उन्होंने यह भी कहा कि पूरे ईस्ट कोस्ट रेलवे कॉरिडोर को चार-लाइन वाले नेटवर्क में अपग्रेड किया जा रहा है जिससे इसकी क्षमता दोगुनी होने और 500 नई ट्रेनों के संचालन को सक्षम बनाने की उम्मीद है। मंत्री महोदय ने इस बात पर भी बल दिया कि ईस्ट कोस्ट रेलवे कॉरिडोर के साथ बंदरगाहों, पर्यटन केंद्रों और प्रमुख शहरों को जोड़ने के लिए मालवाहक और कंटेनर ट्रेन सेवाओं को सुदृढ़ किया जा रहा है जिससे लॉजिस्टिक्स और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

## एनसीआर में बारिश:गर्मी से राहत, मौसम विभाग का येलो अलर्ट जारी, अगले सप्ताह तक ऐसा ही रहेगा मौसम

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बीती रात हुई बारिश ने भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों को बड़ी राहत दी है। तेज आंधी और गरज-चमक के साथ हुई इस बारिश के बाद मौसम सुहावना हो गया है और तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है।

मौसम विभाग के अनुसार आज के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है, जिसमें दिनभर अलग-अलग समय पर आंधी, तेज हवाएं और गरज के साथ बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग के आंकड़ों के मुताबिक 29 अप्रैल को अधिकतम तापमान 38 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पूरे दिन च्थंडरस्टॉर्म विद रेनज् यानी बारिश के साथ आंधी-तूफान की स्थिति बनी रहेगी।विभाग ने चेतावनी दी है कि सुबह, दोपहर और शाम-तीनों समय -तेज हवाओं और बिजली गिरने की आशंका है। 30 अप्रैल को भी मौसम का यही मिजाज बना रहेगा। इस दिन अधिकतम तापमान 37 डिग्री और न्यूनतम 26 डिग्री रहने का अनुमान है। हालांकि इस दिन कोई विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है, लेकिन हल्की बारिश और बादलों की आवाजाही जारी रह सकती है। इसके बाद 1 मई और 2 मई को मौसम साफ होने की संभावना है। 1 मई को तापमान 40/26 डिग्री और 2 मई को 41/25 डिग्री रहने का अनुमान है।

इन दिनों आसमान मुख्यत: साफ रहेगा और कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। बारिश और तेज हवाओं के चलते वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) में भी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले एक सप्ताह तक इसी तरह का मौसम बना रहेगा, जिससे तापमान में गिरावट और वायु गुणवत्ता में आंशिक सुधार देखने को मिल सकता है। लोगों को सलाह दी गई है कि खराब मौसम के दौरान सतर्क रहें और खुले स्थानों पर जाने से बचें।

### भारत में 1935 में हुई थी पशुओं की गणना

## अंग्रेजों के जमाने में कृषि और पशुओं को संरक्षण?

**नई दिल्ली ■ एजेंसी**

देश में इन दिनों जनगणना को लेकर चर्चाओं का दौर जारी है। अंग्रेजों ने विभिन्न स्तर पर जनगणना के लिए भारत सरकार अधिनियम 1935 के तहत जनगणना का काम पहली बार हिंदुस्तान में किया। विभिन्न आधार पर कई तरह से विस्तृत गणना 1935 में की गई थी। इसके आंकड़ों के आधार पर विकास का मॉडल एवं योजनाएं बनाने का काम शुरु किया था।

भारत में पशुधन हमेशा से ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ रहा है। वर्ष 1935 की जनगणना के आंकड़े इस बात का स्पष्ट संकेत देते हैं कि उस समय देश के विभिन्न प्रांतों में गाय, भैंस, भेड़, बकरी और अन्य पशुओं को गणना में शामिल किया गया जो कृषि और परिवहन का प्रमुख आधार थे। उस दौर में संयुक्त राज्य (वर्तमान उत्तर प्रदेश क्षेत्र) में सबसे अधिक लगभग 32,470 गाय-भैंस दर्ज की गईं, जबकि बंगाल और मद्रास जैसे प्रांत भी पशुधन संपदा में समृद्ध थे। 1935 की पशु गणना के आंकड़ों के अनुसार, बंगाल में लगभग 25,287 गाय-भैंस और 6,049 भेड़-बकरियां थीं, वहीं मद्रास में 24,607 गाय-भैंस और 11,701 भेड़-बकरियों की संख्या दर्ज की गई। पंजाब और बम्बई प्रांत भी पशुधन के मामले में समृद्ध थे। उस समय हल और गाड़ियों की संख्या भी काफी अधिक थी, जो दर्शाती है कि कृषि पूरी तरह पशुओं पर निर्भर थी।वर्तमान परिदृश्य में भारत में पशुधन की भूमिका बरकरार है, उसका स्वरूप बदल चुका है। अब ट्रैक्टर और आधुनिक मशीनों ने हल और बैलगाड़ियों की जगह ले ली है, जबकि डेयरी उद्योग और पोल्ट्री फार्मिंग तेजी से विकसित हुए हैं। आज भारत दुनिया के सबसे बड़े दुग्ध उत्पादक देशों में शामिल है, जहां पशुपालन केवल खेती का सहायक साधन नहीं बल्कि एक स्वतंत्र उद्योग बन चुका है।

### भोपाल में अतिथि शिक्षकों का बड़ा प्रदर्शन

# संगठन बोला- अब आर-पार की लड़ाई, सरकार से स्थायी समाधान की रखी मांग

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

प्रदेशभर के अतिथि शिक्षक एक बार फिर अपने अधिकारों को लेकर सड़क पर उतरने की तैयारी में हैं। स्कूल अतिथि शिक्षक संयुक्त मोर्चा के बैनर तले आज बुधवार को भोपाल के अंबेडकर पार्क में दोपहर 12 बजे से शाम 5 बजे तक प्रदर्शन का ऐलान किया है। संगठन का कहना है कि सरकार द्वारा किए गए वादे अब तक पूरे नहीं हुए, जिससे हजारों शिक्षकों में असंतोष है। प्रदर्शन को 'ऐतिहासिक' बनाने की रणनीति तैयार की गई है। संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों के अनुसार, सालों से सेवा देने वाले अतिथि शिक्षकों के भविष्य को सुरक्षित करना सरकार की जिम्मेदारी है और अब इसे लेकर निर्णायक लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान और उससे पहले बड़े-बड़े वादे किए गए, लेकिन आज तक उन पर अमल नहीं हुआ।

**पुराने वादों को पूरा करने की रखेंगे मांग:** प्रदेश अध्यक्ष सुनील सिंह परिहार ने कहा कि पहले अतिथि शिक्षकों को लेकर कई वादे किए गए थे। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इन मुद्दों को लेकर पहले भी बड़े स्तर पर राजनीतिक समर्थन मिला था, लेकिन अब वही नेता इस मुद्दे पर चुप हैं। इससे शिक्षकों के बीच नाराजगी और बढ़ गई है।

**अब तक ठोस कदम नहीं उठाए: नागर:** संयुक्त मोर्चा के समन्वयक रामचंद्र नागर और बी.एम. खान ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सीधे सवाल किए हैं। उनका कहना है कि जब वे विधायक थे, तब उन्होंने अतिथि शिक्षकों को संविदा शिक्षक बनाने की अनुशंसा की थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री बनने के बाद इस दिशा में ठोस कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं।

### स्थायी रोजगार की भी है मांग

संयुक्त मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के.सी. पवार और तूफान शर्मा ने स्पष्ट कहा कि वर्षों तक सेवा देने के बाद अतिथि शिक्षकों को बेरोजगार करना अन्याय होगा। उन्होंने सरकार से मांग की है कि शिक्षकों को स्थायी रोजगार देकर उनका भविष्य सुरक्षित किया जाए। उनका कहना है कि यह केवल रोजगार का मुद्दा नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के जीवन से जुड़ा सवाल है।

**अतिथि शिक्षकों की प्रमुख मांगें:**
- नियमित किया जाए।
- विभागीय परीक्षा कराई जाए।
- वार्षिक अनुबंध बने।
- शिक्षक भर्ती में बोनस अंक मिले।

### भोपाल की फीनिक्स गैस एजेंसी का लाइसेंस निलंबित

# उपभोक्ताओं को राहत, उसी नंबर से होगी गैस बुकिंग; सप्लाई जारी रहेगी

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

भोपाल के जेके रोड स्थित फीनिक्स एचपीसीएल गैस एजेंसी का लाइसेंस अनियमितताओं के चलते सस्पेंड कर दिया गया है। इस एजेंसी से जुड़े करीब 18 हजार उपभोक्ताओं को अब आसपास की अन्य गैस एजेंसियों के माध्यम से सिलेंडर उपलब्ध कराया जाएगा।

कंपनी ने स्पष्ट किया है कि उपभोक्ताओं को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। वे पहले की तरह उसी नंबर पर गैस बुकिंग कर सकेंगे और उन्हें दूसरी एजेंसी के जरिए घर तक सिलेंडर की डिलीवरी मिलती रहेगी। जिला प्रशासन की जांच में एजेंसी में कई गंभीर गड़बड़ियां सामने आईं। जांच के दौरान लगभग 2000 छोटे (5 किलो वाले) सिलेंडरों का रिकॉर्ड नहीं मिला, वहीं 40 भरे सिलेंडर स्टॉक में कम पाए गए। इसके अलावा स्टॉक रजिस्टर और वास्तविक सिलेंडरों की संख्या में भी बड़ा अंतर मिला।

यह भी सामने आया कि एजेंसी उपभोक्ताओं तक सिलेंडर की होम डिलीवरी सही तरीके से नहीं कर रही थी और उनसे अतिरिक्त 35 रुपए वसूले जा रहे थे।

इन अनियमितताओं के आधार पर प्रशासन ने एजेंसी को नोटिस जारी किया, लेकिन संतोषजनक जवाब न मिलने पर एचपीसीएल को लाइसेंस निलंबित करने की सिफारिश की गई। इसके बाद कंपनी ने कार्रवाई करते हुए एजेंसी का लाइसेंस सस्पेंड कर दिया और जांच पूरी होने तक गैस सप्लाई भी रोक दी है।

एचपीसीएल के सीनियर एरिया सेल्स मैनेजर पुष्पेंद्र सोडा के अनुसार, जांच पूरी होने तक एजेंसी की सप्लाई बंद रहेगी, लेकिन उपभोक्ताओं के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर दी गई है ताकि उन्हें समय पर गैस मिलती रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### गर्मी की छुट्टियां पड़ी भारी, खदान में डूबे दो मासूम

**भोपाल।** परवलिया थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के पास मंगलवार दोपहर दर्दनाक हादसे में 17 वर्षीय युवराज और 15 वर्षीय मालती की खदान में डूबने से मौत हो गई। दोनों रिश्ते में भाई-बहन (कजिन) थे। घटना के बाद पूरे गांव में शोक का माहौल है। पुलिस के अनुसार, मूलत: विदिशा जिले के कुआंखेड़ा गांव निवासी युवराज गर्मी की छुट्टियों में एक दिन पहले ही अपनी बुआ के घर दौलतपुर आया था। मंगलवार को वह अपनी बुआ की बेटी मालती के साथ घर से कुछ दूरी पर स्थित एक गहरी खदाननुमा तालाब के पास खेल रहा था। इसी दौरान कीचड़ में पैर फिसलने से युवराज सीधे गहरे पानी में जा गिरा और डूबने लगा। भाई को डूबता देख पास खड़ी मालती बिना देर किए उसे बचाने के लिए पानी में कूद गई। हालांकि उसे तैरना नहीं आता था और खदान में पानी काफी गहरा था, जिससे वह खुद भी संतुलन नहीं बना सकी और डूब गई। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि जिस खदान में हादसा हुआ, वह असमतल और जगह-जगह गहरी है, जहां पानी का स्तर अचानक बढ़ जाता है। युवराज को तैरना नहीं आता था, जिससे वह गहराई का अंदाजा नहीं लगा सका।

### साँची विश्वविद्यालय ने लगाया भगवन्तपुर कॉलोनी में स्वास्थ्य शिविर

**भोपाल।** साँची बौद्ध-भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय द्वारा गोद लिए गए ग्राम भगवन्तपुर कॉलोनी (ग्राम पंचायत शाहपुर, जिला रायसेन) में आज नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कुलसचिव प्रो रामनिवास गुप्ता के निर्देशन में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित शिविर में ग्रामीणों, विशेषकर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। **स्वास्थ्य परीक्षण:** शिविर के दौरान कुल 65 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। इस दौरान उनकी सामान्य बीमारियों की जाँच की गई एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। **एनीमिया जागरूकता:** महिलाओं में बढ़ती खून की कमी (एनीमिया) की समस्या को देखते हुए, उन्हें इससे बचाव के तरीके बताए गए। डॉ. अंजलि दुबे ने खान-पान में सुधार और आयरन युक्त आहार के महत्व पर जोर दिया। **आयुर्वेदिक जीवनशैली:** ग्रामीणों को स्वस्थ रहने के लिए आयुर्वेदिक आहार-विहार अपनाने हेतु प्रेरित किया गया, ताकि वे प्राकृतिक तरीके से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ा सकें। **ग्रीष्म ऋतु एवं हीट स्ट्रोक:** वर्तमान में बढ़ती गर्मी को देखते हुए हीट स्ट्रोक (लू) से बचाव के विशेष उपाय साझा किए गए। ग्रामीणों को पर्याप्त पानी पीने, धूप में निकलने से बचने और लू के लक्षणों को पहचानने के बारे में जागरूक किया गया।

### जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी आवेदकों की समस्याएं 160 आवेदन प्राप्त हुए

**भोपाल।** कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने मंगलवार को जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही किया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 160 आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर एडीएम सुमित पांडे, सीईओ जिला पंचायत श्रीमती इला तिवारी एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए।

### लोधी समाज वीरता और किसान योद्धा परंपरा का प्रतीक

# मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को दे रहा है नई ऊर्जा : मुख्यमंत्री

- **राजा हिरदेशाह लोधी ने 1857 की क्रांति से पहले आजादी के लिए 1842 में फूंका क्रांति का बिगुल**
- **राजा हिरदेशाह लोधी की कर्मस्थली हीरापुर को तीर्थ स्थल के रूप में करेंगे विकसित**
- **राजा हिरदेशाह के संघर्ष और शौर्य को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा**
- **राज्य सरकार कराएगी राजा हिरदेशाह पर शोध**
- **मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राजा हिरदेशाह लोधी की 168वीं पुण्यतिथि कार्यक्रम को किया संबोधित**

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश अपनी सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत को नई ऊर्जा दे रहा है। आज राजा हिरदेशाह लोधी की 168वीं पुण्यतिथि पर शौर्य यात्रा के माध्यम से हम, भूले-बिसरे उन नायकों को समाज के सामने ला रहे हैं, जिन्होंने अंग्रेजी साम्राज्यवाद के खिलाफ सबसे पहले संगठित विद्रोह किया। राजा हिरदेशाह को नर्मदा टाइगर के नाम से भी जाना जाता है। वे 1842 की क्रांति के महानायक थे, जिनकी शौर्य गाथा आज भी बुंदेला, लोधी और जनजातीय समाज के नाटकों, लोक गीतों और लाखों-लाख हृदय में जीवित है। उनका जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी और आदर्श है। समाज के महापुरुषों के संघर्ष को भी याद करने की आवश्यकता है। जो संघर्षों से लड़ना जानता है, समाज उसका अभिनंदन करता है। राज्य शासन राजा हिरदेशाह के संघर्ष और देश की आजादी में उनके योगदान पर शोध कराएगी। इतिहास के गौरवशाली पृष्ठ पुन: खुलने चाहिए।

### नर्मदा के तट से आजादी की क्रांति का पहला बिगुल फूंका गया था

पूज्य दादा गुरु ने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में पहली क्रांति नर्मदा के तट पर 1842 में शुरू हुई थी, यह तथ्य हम सबको गौरवान्वित करने वाला है। राजा हिरदेशाह ने इसका नेतृत्व किया और अपना बलिदान दिया। इस आयोजन में जहां धैर्य है वहीं धर्म भी है। शौर्य दिवस के अवसर पर हमें सनातन धर्म के मार्ग पर चलते हुए अखंड भारत के निर्माण में योगदान का संकल्प लेना है। राजा हिरदेशाह ने बुंदेलों, जनजातियों और सकल समाज को एकजुट कर राष्ट्र के लिए लड़ने को तैयार किया था। नर्मदा के तट से आजादी की क्रांति का पहला बिगुल फूंका गया था। प्रदेश में रानी अवंतीबाई, वीरांगना दुर्गावती जैसी वीरांगनाओं ने अपने राज्य की रक्षा के लिए सर्वस्व न्यौछावर कर दिया था।

### युवाओं को नशे के खिलाफ जागरूक करना आवश्यक

लोधी-लोधा समाज के प्रदेशाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक श्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि लोधी समाज के गौरव राजा हिरदेशाह ने ब्रिटिश शासन के कानूनों का विरोध करते हुए 1842 की क्रांति का नेतृत्व किया। इस संघर्ष में उनके करीब 12 भाई बलिदान हुए। उनकी पूरी संपत्ति राजसात कर ली गई थी। लोधी एक किसान और योद्धाओं का समाज है। श्री जालम सिंह पटेल ने कहा कि लोधी समाज ने नशे के खिलाफ मुहिम शुरू की है। उन्होंने युवाओं को इस मुहिम में सहयोग करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि नि:स्वार्थ भाव से किया गया कार्य सदैव स्थायी और सभी के लिए हितकर रहता है।

राजा हिरदेशाह के जीवन के महत्वपूर्ण पहलुओं को शैक्षणिक पाठ्यक्रम में भी शामिल किया जाएगा। नर्मदा के किनारे हीरापुर में राजा हिरदेशाह के नाम से एक तीर्थ स्थल का निर्माण किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने 1842 की क्रांति के महानायक राजा हिरदेशाह लोधी की स्मृति में जंबूरी मैदान पर हुए ऐतिहासिक आयोजन और शौर्य यात्रा को संबोधित किया।

# गैंगस्टर मुख्तार मलिक हत्याकांड में 11 दोषियों को आजीवन कारावास की सजा

### झालावाड, राजस्थान की कोर्ट ने सुनाई सजा

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

राजस्थान के झालावाड़ की अदालत ने भोपाल के कुख्यात गैंगस्टर मुख्तार मलिक हत्याकांड में बड़ा फैसला सुनाते हुए 11 आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं साक्ष्यों के अभाव में दो आरोपियों को बरी कर दिया गया, जबकि एक आरोपी को पांच वर्ष के कारावास की सजा दी गई है।

यह फैसला अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय ने सुनाया। अदालत ने अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत गवाहों और दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को दोषी माना।

**नाव से पहुंचे थे भीमसागर बांध, घात लगाकर किया हमला:** यह सनसनीखेज वारदात 31 मई 2022 की रात भीमसागर बांध क्षेत्र में हुई थी। मुख्तार मलिक अपने साथी कमल किशोर और अन्य लोगों के साथ नाव से वहां पहुंचा था। इसी दौरान अब्दुल बंटी, वसीम अहमद राजा और उनके साथियों ने घात लगाकर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। हमले में कमल किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य लोग घायल हुए। कुछ लोग जान बचाने के लिए पानी में कूद गए। गोली लगने के बाद मुख्तार मलिक जंगल की ओर भागा, लेकिन गंभीर चोटों और पानी की कमी के कारण उसकी मौत हो गई। अगले दिन पुलिस ने उसका शव जंगल में करीब एक किलोमीटर अंदर बरामद किया था।

### 44 गवाह और 94 दस्तावेज बने फैसले का आधार

मामले की जांच तत्कालीन अकलेरा डीएसपी गिरधारी सिंह ने की थी। अदालत में अभियोजन पक्ष ने 44 गवाहों के बयान और 94 दस्तावेज पेश किए। इन्हीं साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई।

# गुटबाजी में युवक पर चाकू से हमला, इलाके में मची सनसनी

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

भोपाल के हनुमानगंज इलाके में मोहल्ले की गुटबाजी के चलते चार युवकों ने 22 वर्षीय यशवंत मरकाम पर हमला कर दिया। आरोपियों ने पहले उसे अनिकेत नाम के युवक से दोस्ती खत्म करने के लिए दबाव बनाया, लेकिन मना करने पर उसके साथ मारपीट की और फिर छुरी से जानलेवा हमला कर फरार हो गए। राजधानी भोपाल के हनुमानगंज इलाके में मोहल्ले में वर्चस्व की लड़ाई ने हिंसक रूप ले लिया। चार युवकों ने मिलकर एक युवक के साथ पहले मारपीट की और विरोध करने पर उस पर छुरी से जानलेवा हमला कर दिया। सूचना मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

**मोहल्ले की गुटबाजी बनी हमले की वजह:** हनुमानगंज थाना पुलिस के अनुसार 22 वर्षीय यशवंत मरकाम शबरी नगर का रहने वाला है। उसके मोहल्ले में गट्टू, प्रेम, रोहित और दिव्यांश भी रहते हैं। यशवंत इन सभी को पहले से जानता है और उनके बीच बातचीत भी होती थी। पिछले कुछ दिनों से यशवंत की मोहल्ले के ही अनिकेत नाम के युवक से दोस्ती हो गई थी और वह उसके साथ घूमने लगा था। यह बात गट्टू, प्रेम, रोहित और दिव्यांश को पसंद नहीं आई क्योंकि अनिकेत उनका विरोधी माना जाता है।

**बस स्टैंड ले जाकर की मारपीट:** सोमवार शाम चारों युवक यशवंत को अपने साथ बस स्टैंड की ओर ले गए। वहां उन्होंने यशवंत पर दबाव बनाया कि वह अनिकेत से बात करना बंद कर दे, क्योंकि वह उनके गुट का नहीं है। इस पर यशवंत ने साफ कहा कि वह गुटबाजी में नहीं पड़ना चाहता और अपनी इच्छा से ही दोस्ती रखेगा।

**विरोध करने पर चाकू से हमला:** यशवंत की यह बात सुनते ही चारों युवक गुस्से में आ गए और उन्होंने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। जब यशवंत ने विरोध किया तो उस पर छुरी से जानलेवा हमला कर दिया गया। हमला करने के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए।

घटना के बाद आसपास के लोगों ने घायल यशवंत को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के अनुसार उसकी हालत अब खतरे से बाहर है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने जानलेवा हमला करने का मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

# अनुशंसाओं को संवेदनशीलता के साथ करें लागू : राज्यपाल

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि जनजातीय कार्यशाला में प्राप्त सुझावों और अनुशंसाओं को संवेदनशीलता के साथ लागू किया जाए। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण, सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनजातीय सशक्तिकरण के लिए सरकार के दिशा-निर्देशों और मार्गदर्शन का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। जनजातीय विकास से संबद्ध विभिन्न विभागों के बीच प्रभावी समन्वय अत्यंत आवश्यक है। राज्यपाल पटेल मंगलवार को लोकभवन में जनजातीय प्रकोष्ठ के साथ जनजातीय कार्य विभाग की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि जनजातीय सशक्तिकरण और विकास के लिए प्रावधानित बजट का जनजाति उन्मुख उपयोग हो। राशि को लक्षित उद्देश्य पर ही खर्च किया जाए। राज्यपाल पटेल ने मैदानी भ्रमण कर जनजातीय विकास प्रयासों की जमीनी हकीकत जानने के और अधिक सघन प्रयासों पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक जनजातीय जनसंख्या वाला विस्तृत क्षेत्र है। प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में निवासरत जनजातियों के विकास एवं कल्याण के कार्य और अधिक क्षेत्र फोकस्ड होना जरूरी है। कार्यशाला में प्राप्त देश के जनजातीय बाहुल्य राज्यों द्वारा जनजातीय शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार आदि के क्षेत्र में किए गए नवाचारों का प्रदेश की आवश्यकता के संदर्भ में अध्ययन किया जाए, उन्हें समझ कर अपनाने के प्रयास किए जाने चाहिए।

राज्यपाल पटेल ने कहा कि कमजोर वर्गों के कल्याण प्रयासों में संवेदनशीलता सबसे महत्वपूर्ण है। समानुभूति की भावना के साथ किए गए आत्मीय प्रयास सदैव सुफल देते हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय कल्याण प्रयासों में जन प्रतिनिधियों और शासकीय सेवकों की और अधिक संवेदनशीलता तथा सक्रियता जरूरी है। पात्र हितग्राहियों का चयन, योजना का प्रभावी क्रियान्वयन, बजट राशि के समुचित उपयोग की प्रक्रियाओं में और अधिक जवाबदारी होनी चाहिए।

### 22 से 28 साल के लड़के बन रहे लड़की

# भोपाल एम्स में एक साल में 5 सर्जरी; डॉक्टर बोले-भविष्य में 'मां' भी बन सकते हैं

**भोपाल ■ अमृत दर्शन**

मप्र के राजगढ़ का रहने वाला सोमेश जैसे ही 10 साल का हुआ, वह लड़कियों की तरह व्यवहार करता और उनके तरह कपड़े पहनना पसंद करने लगा। परिवार को भी अहसास हो गया कि वह अंदर से एक लड़की है। 24 साल के होने पर आखिरकार उसने अपना जेंडर चेंज करवाया और सर्जरी करवाकर लड़की बन गया। यह एक अकेले सोमेश का केस नहीं है। मध्यप्रदेश में ऐसे और भी केस सामने आए हैं जिनमें लड़के जेंडर चेंज करवाकर लड़की बन रहे हैं।

**एम्स में आए सभी मरीज 22 से 28 वर्ष के:** एम्स भोपाल में सामने आए मामलों ने यह साफ कर दिया है कि जेंडर आइडेंटिटी का सवाल छोटे शहरों और कस्बों तक पहुंच चुका है। बीते एक साल में एम्स भोपाल में 5 जेंडर कंवर्जन सर्जरी हुई हैं। इनमें शामिल सभी मरीज 22 से 28 वर्ष की आयु के बीच के युवक हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि यह सिर्फ सर्जरी नहीं, बल्कि लंबी मानसिक, शारीरिक और सामाजिक प्रक्रिया है। भविष्य में ऐसी तकनीक विकसित हो सकती है, जिससे ये मरीज मां बनने का अनुभव भी कर सकें।

**डॉक्टर से समझें बॉटम सर्जरी की जटिलताएं:** एम्स भोपाल के स्त्री रोग विभाग के प्रोफेसर डॉ. अरुण कुमार डोरा ने बताया कि अब तक 5 सर्जरी की गई हैं, जिनमें मरीज को पुरुष से महिला बनाया गया है। यह बेहद जटिल सर्जरी होती है। हमारी पढ़ाई के समय इस तरह की सर्जरी का एक्सपोजर नहीं था। हमने बाद में कॉन्फ्रेंस और स्किल डेवलपमेंट कोर्स से इनकी ट्रेनिंग ली है। बॉटम सर्जरी में सबसे पहला चैलेंज होता है कि पुरुष के प्राइवेट पार्ट को हटाना होता है। एम्स में यह सर्जरी अभी नि:शुल्क की जा रही है। प्रायवेट अस्पतालों में इसका 8 से 10 लाख रुपए का खर्च आता है।

**सर्जरी से पहले काउंसलिंग जरूरी:** डॉक्टरों का कहना है कि जेंडर कंवर्जन सिर्फ सर्जरी नहीं है। इसके पहले लंबी काउंसलिंग, मानसिक मूल्यांकन और हार्मोन थेरेपी की प्रक्रिया होती है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी. गोयल। मोबाईल नं. 9827054436 ।